सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 26 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 09 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आईआईटी भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह कल, जम्मू-कश्मीर के एलजी होंगे चीफ गेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई अपने नालंदा हॉल परिसर में 10 नवम्बर 2025 को पांचवें दीक्षांत समारोह की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। समारोह में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे और दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगे। अडानी सीमेंट के डब्ल्यूटीडी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद बहेटी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफगवर्नर्स के अध्यक्ष करेंगे।

स्नातक बैच के 269 विद्यार्थियों को दी जाएगी उपाधि

इस दीक्षांत समारोह में 2025 के स्नातक बैच के 269 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी, जिनमें 25 डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी , 24 मास्टर ऑफ साइंस , 58 मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी , 10 बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी और 152 बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्र शामिल हैं। संस्थान स्वर्ण पदक उस बीटेक छात्र को प्रदान किया जाएगा जिसने अपने बैच में सर्वाधिक संचयी ग्रेड बिंदु औसत (सीजीपीए) प्राप्त किया हो। निदेशक स्वर्ण पदक बीटेक और एमटेक के उन छात्रों को दिया जाएगा जिन्होंने शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उत्कृष्ट महिला छात्रा के लिए निदेशक स्वर्ण पदक बीटेक, बीटेक (ऑनर्स) और एमएससी में समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न शाखाओं और कार्यक्रमों में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीनेट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

छात्रों को मिलेगी डिजिटल प्रमाण पत्र

भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप आईआईटी भिलाई ने शैक्षणिक नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने छात्रों को डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र प्रदान करने की परंपरा जारी रखी है। यह पहल भारत में किसी शैक्षणिक संस्थान द्वारा शुरू किया गया अपने तरह का पहला नवाचार है। डिग्री प्रमाणपत्र को अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा डिजिटल रूप से प्रमाणित किया जाएगा तथा दीक्षांत समारोह के दिन स्नातकों को पेन ड्राइव के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। यह पहल संस्थान की पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

खास-खबर

धान खरीदी : 15 नवंबर से शुरू होगी अवैध परिवहन रोकने बॉर्डर पर चेकपोस्ट कमांड सेंटर से होगी निगरानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने जा रही है। इस साल 26 लाख से ज्यादा किसान अपना धान बेचेंगे। 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेच सकेंगे। धान बेचने के लिए 2739 केंद्र बनाए गए हैं। धान की खरीदी 31 जनवरी 2026 तक की जाएगी। जूट बोरे, तौल मशीन, परिवहन और भंडारण व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

साथ ही धान बेचने के सात दिन के भीतर ही किसानों को धान का पैसा उनके खातों में भेज दिया जाएगा। इस साल छत्तीसगढ़ को सेंट्रल पूल में 73 लाख टन चावल भेजने का टारगेट दिया गया है। वहीं धान खरीदी को अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल और ई-केवायसी प्रणाली लागू की है। अफसरों के मुताबिक किसान खरीदी केंद्र पर जाने से पहले एग्रीस्टैक रजिस्ट्रेशन, आधार कार्ड, पासबुक, भू-अभिलेख और फसल विवरण अपने साथ जरूर रखें। अवैध धान का परिवहन रोकने के लिए सभी जिलों पर चेक पोस्ट बनाए जा रहे हैं। ओडिशा और अन्य राज्यों से आने वाले धान को रोकने 16 चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। यहां राजस्व, कृषि, वन और पुलिस की ड्यूटी रहेगी।

बढ़ी ठंड : उत्तर-पूर्वी हवाओं से प्रदेश में सर्दी बढ़ी, दो दिन और गिरेगा तापमान

रायपुर। प्रदेश में उत्तर-पूर्व से आ रही शुष्क हवा के कारण रात का तापमान गिरने लगा है। प्रदेश के सभी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। आने वाले दो दिनों में रात में तापमान दो से तीन डिग्री तक और गिरेगा। इससे ठंड बढ़ने के आसार हैं। पिछले चार दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट आ चुकी है। इससे पूरे प्रदेश में हल्की ठंड महसूस होने लगी है। अब तापमान में और कमी आने से ठंड में वृद्धि होगी।

अभी सुबह के समय नमी की मात्रा 85 फीसदी के आसपास है। वहीं शाम होते तक यह घटकर 60 फीसदी से नीचे पहुंचने लगी है। अभी दिन का तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच चल रहा है। यह सामान्य से आसपास है। इसके विपरीत रात का तापमान 13 से 20 डिग्री के बीच पहुंच गया है। सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री अंबिकापुर में रिकार्ड किया गया। यह नार्मल से दो डिग्री नीचे है। अन्य जगहों पर भी न्यूनतम तापमान सामान्य से एक से दो डिग्री तक कम है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। शुष्क हवा के प्रभाव से रात के तापमान में गिरावट आएगी। इससे ठंड में वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ में लोगों को 200 यूनिट तक मिलेगा हाफ बिजली बिल का फायदा!

सरकार ने शुरू की प्लानिंग, 14 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने जब से पूर्व सरकार की हाफबिजली बिल योजना में छेड़छाड़ कर 400 से सीधे 100 यूनिट कर दिया तब से प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। लोग महंगे बिजली बिल से परेशान हैं। लगातार लोग साय सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। इस बीच बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक राहत की खबर सामने आ रही है। दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार 200 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना का लाभ देने की प्लानिंग कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसके संकेत दिए हैं। यदि ऐसा होता है तो 14 लाख उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी।

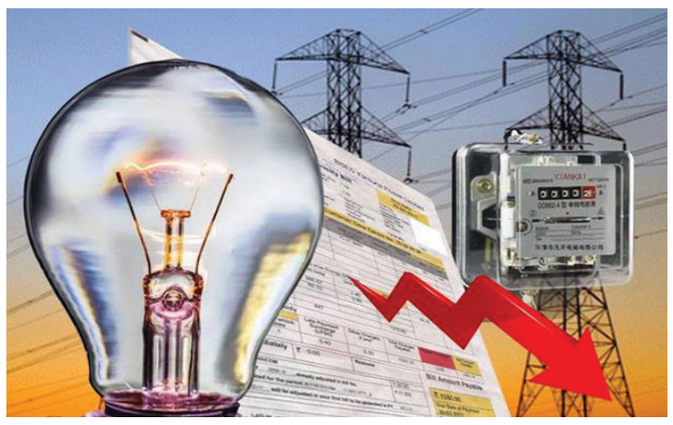

बता दें 4 महीने पहले 1 अगस्त 2025 को सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना पर बड़ा बदलाव किया था। भूपेश सरकार के समय लागू 400 यूनिट की सीमा को घटाकर 100 यूनिट कर दिया था। इस बदलाव का असर सीधे-सीधे लाखों परिवारों पर पड़ा था। बिल लगभग डबल हो गया था। जिस घर का औसत बिल 1000 आता था उसे 1900 से 2000 रुपए पटाने पढ़ रहे हैं। पूर्व की योजना में कटौती के बाद कांग्रेस और विपक्षी दलों ने लगातार विरोध जताया था। कई जिलों में उपभोक्ताओं ने बढ़े हुए बिलों के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। सरकार अब इस योजना की सीमा को 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

बिजली विभाग ने शुरू की तैयारी

बिजली विभाग ने हाफबिल को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। बिजली दरों को लेकर फाइल मुख्यमंत्री सचिवालय भेजी गई है। प्रस्ताव मंजूर होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ मिल सकेगा। अब 800-900 तक आने वाला बिल 420 से 435 रुपए तक आ सकता है। अगर कोई परिवार हर महीने 200 यूनिट बिजली खर्च करता है, तो उसका औसत बिल अभी लगभग 840 से 870 रुपए के बीच आता है। नई योजना के तहत सरकार 200 यूनिट तक हाफ बिल स्कीम लागू कर रही है।

एक मार्च 2019 को लागू हुई थी हाफबिजली बिल योजना

कांग्रेस की भूपेश सरकार ने एक मार्च 2019 को हाफ बिजली बिल योजना शुरू की थी। इसका मकसद घरेलू उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत देना था। योजना के तहत अगर कोई उपभोक्ता 400 यूनिट या उससे कम बिजली उपयोग करता था, तो उसे कुल बिल का सिर्फ आधा भुगतान करना होता था। इतना ही नहीं, अगर किसी उपभोक्ता की खपत 400 यूनिट से अधिक भी होती थी, तब भी उसे पहले 400 यूनिट पर हाफ बिजली बिल का फायदा मिलता था, और इसके बाद की यूनिट पर तय दरों के हिसाब से भुगतान करना पड़ता था। अब जब सरकार 200 यूनिट तक हाफ बिजली बिल की प्लानिंग कर रही है तो लोगों की मांग है कि इसे पहले की तरह 400 यूनिट किया जाए।

एसआईआर : शुरूआती 5 दिनों में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्र) का काम जोरों पर है। विगत 4 नवम्बर को इसकी शुरूआत के बाद से बीएलओ प्रारंभिक पांच दिनों (4 नवम्बर से 8 नवम्बर तक) में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित कर चुके हैं। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी संकलित कर रहे हैं। राज्य में पंजीकृत दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाताओं में से अब तक 29 लाख 29 हजार 125 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं जो कि लक्ष्य का 14 प्रतिशत है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर एसआईआर के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। एसआईआर के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ सक्रियता से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील के घर भी उनके मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी ने गणना प्रपत्र देकर आवश्यक दस्तावेज संकलित किए। बीएलओ ने नवा रायपुर स्थित उनके शासकीय आवास जाकर प्रारूप-08 और घोषणा प्रपत्र प्रदान किया।

मुख्य सचिव विकास शील को अधिकारियों ने इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं आवश्यक विवरण की जानकारी दी। टीम ने गणना प्रपत्र में आवश्यक जानकारी भरकर उसे पूर्ण रूप से संकलित किया। मुख्य सचिव विकास शील ने सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी और सहयोग करने की अपील की है। एसआईआर के अंतर्गत बीएलओ रायपुर में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 (रायपुर उत्तर) के देवेन्द्र नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार के भी घर पहुंचे और उन्हें गणना प्रपत्र व घोषणा प्रपत्र देकर आवश्यक जानकारी संकलित की।

राज्यपाल ने लखपति दीदियों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज यहां राजभवन में खैरगढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के गोद ग्राम-सोनपुरी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों एवं लखपति दीदियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने उन्हें अपने हाथों से प्रमाण पत्र दिया। श्री डेका ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें अच्छे से अध्ययन करने और स्किल सीख कर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने लखपति दीदियों से चर्चा कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। लखपति दीदियों ने जैविक खेती, ड्रोन के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

सम्मान समारोह में राज्यपाल के गोदग्राम सोनपुरी के विद्यार्थी खुसाल वर्मा, कपिल वर्मा, टोपसिंग, पिमला वर्मा, खुशी, प्रिया वर्मा, पूजा, विनीता यादव को प्रमाण पत्र दिया गया। साथ ही जैविक कृषि सखी राधा वर्मा, ड्रोन दीदी श्रीमती सवित्री साहू, स्वच्छग्राही गोदावरी और निता वर्मा को सम्मान प्रमाण पत्र दिया गया।

सूदखोर वीरेंद्र तोमर को पुलिस ने ग्वालियर से पकड़ा लोअर-टीशर्ट में घूम रहा था, लाया गया रायपुर

■ पांच माह से पुलिस को चकमा दे रहा था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

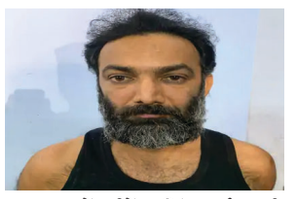

रायपुर। सूदखोरी, रंगदारी और अवैध हथियार रखने के केस में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर को रायपुर पुलिस ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर से पकड़ा है। वीरेंद्र तोमर बीते 5 महीनों से पुलिस को चकमा दे रहा था। क्राइम ब्रांच और पुरानी बस्ती पुलिस वीरेंद्र तोमर को रायपुर लेकर आई है। एसीसीयू के ऑफिस में अफसर वीरेंद्र तोमर से पूछताछ कर रहे हैं। वीरेंद्र का भाई रोहित तोमर अब भी फरार है। रोहित तोमर की तलाश में टीम जुटी हुई है। दोनों पर 16 से ज्यादा केस दर्ज है।

बता दें वीरेंद्र सिंह उर्फ रूबी तोमर रायपुर का आदतन अपराधी है। आरोप के अनुसार अपने छोटे भाई रोहित तोमर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर सूदखोरी का काम करता है। आरोपी कर्जदारों से मूलधन से ज्यादा ब्याज वसूलते और पैसे नहीं देने पर मारपीट करते। वीरेंद्र सिंह तोमर पर पहला मामला 2006 में दर्ज हुआ था।

पुलिस ने इसे आदतन अपराधियों की लिस्ट में डाला है। वीरेंद्र के खिलाफ 6 से ज्यादा अलग-अलग थानों में केस दर्ज है। इनमें मारपीट, उगाही, चाकूबाजी, ब्लैकमेलिंग और आर्म्स एक्ट के केस शामिल है।

हाईकोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी रायपुर में रोहित तोमर और वीरेंद्र तोमर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। हालांकि, दोनों की पत्नियों और भतीजे की अग्रिम जमानत मंजूर की है। सरकारी वकील ने अदालत में तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत का विरोध किया। सरकारी वकील ने बताया कि दोनों भाइयों का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है और उन पर लगभग 16 मामले दर्ज हैं। सरकारी वकील के तर्क सुनने के बाद हाईकोर्ट ने तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

हां! हम सभी हिन्दू हैं

श्रीकंचनपथ

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत की आत्मा हिन्दू है। भारत में सभी हिन्दू हैं। यहां के सभी मुसलमान और ईसाई भी उन्हीं पूर्वजों के वंशज हैं। वे सही कहते हैं। हम सभी हिन्दू हैं। वही हिन्दू जिसमें शैव और वैष्णव दोनों थे। जिसमें अघोरी भी थे, वनवासी भी थे, सुन्दर वर्ण व्यवस्था थी। अधिकारों की बजाय जिम्मेदारियां ज्यादा थीं। किसी पर ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने की तो किसी पर समाज को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी। अयोध्या के राजकुमार राम निःसंकोच भील राजकुमारी शबरी का जूठन खा जाते थे। उनका धर्म भ्रष्ट नहीं होता था। पर समय के साथ इसमें विकार उत्पन्न हुए। जिम्मेदारियों का स्थान दंभ ने ले लिया। ऐसी परम्पराएं थोपी जाने लगीं जो गरीबों को और गरीब बनाती थी। निम्न जातियों अर्थात गरीबों के रहन-सहन, खान-पान और पहनावा-ओढ़ावा तक को निर्धारित किया जाने लगा। स्थिति असहनीय हुई तो लोगों ने नए पंथों को स्वीकार कर लिया। बुद्ध ने, गुरु नानक ने, गुरु घासीदास ने, महर्षि दयानंद और ओशो ने हिन्दू समाज में आ रहे विकारों की खाई को पाटने की अपने-अपने ढंग से कोशिशें की। फिर विदेशी आक्रांता आए। नए आका आए तो निष्ठा, रहन सहन, पहनावा-ओढ़ावा और भोजन की संस्कृति भी बदली। इसका प्रभाव सभी वर्णों पर पड़ा। जिन्हें हिन्दुओं ने तब सहज भाव से स्वीकार किया, अब 21वीं सदी में वो सब खटकने लगे। सबसे बड़ी दिक्कत भोजन को लेकर हुई। कौन क्या खाएगा, क्या नहीं खाएगा, इसे तय किया जाने लगा। शाकाहारियों ने खुद को श्रेष्ठ घोषित कर लिया। जाने अनजाने उन्होंने करोड़ों हिन्दुओं की भावना को ही ठेस पहुंचाई। अन्यान्य सभ्यताओं की तरह भारत में भी सभी तरह का भोजन करने वाले लोग थे। भिन्न-भिन्न मान्यता वाले समाज थे। छत्तीसगढ़ में भांजे के पांव पूजते थे तो आंध्र में भांजियों से विवाह करना श्रेष्ठ समझा जाता था। हिन्दुओं के मुसलमान या ईसाई बनने की कहानी भी एक स्वाभाविक परिवर्तन थी। हमने केवल महारथियों को याद रखा। यह भूल गए कि बड़ी संख्या में पैदल सैनिक भी होते थे जिन्हें युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान होता था पर जिनकी कहीं चर्चा नहीं होती थी। मुट्ठी भर मुगल आए और जब यहीं सेना का गठन किया तो यही लोग उनकी सेना में भर्ती हो गए। बिरयानी इसी लश्कर का भोजन थी। जब इन युवाओं का विवाह हुआ तो जबरदस्ती धर्म परिवर्तन की जरूरत भी पड़ी। अंग्रेजों ने भी भारतीयों को साथ लेकर ही शासन किया। आदिवासियों की हमने कभी कोई चिंता नहीं की थी। ईसाई मिशनरियों ने इनके बीच में काम करना शुरू किया। ब्रिटेन में जाकर पढ़ने वाले उच्च सवर्णों ने इसे पुष्ट किया। जो आडंबरों से मुक्त हो गए उनका जीवन आसान हो गया। यह जिम्मेदारी हमारी थी, हमने नहीं निभाई तो कोई और निभा गया। भागवत कहते हैं कि हिंदू होने का मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना भी होता है। तो लीजिए न, किसने रोका है?

संपादकीय

रोजगार की चाह में पलायन!

जैसे शेष भारत में बिहार की एक अलग पहचान है वैसी ही पहचान दुनिया में भारत की है। पचास वर्षों से बिहार बता रहा है कि लोग वहा से भाग रहे हैं। भय के कारण या अवसर और रोजगार की चाह में पलायन! क्या वैसी ही हकीकत भारत की नहीं है? सोचें, पिछले पंद्रह वर्षों से भारतीयों का पलायन क्यों कर है? अमीर, बड़े लोगों में दुबई, सिंगापुर, अमेरिका आदि जगह जाने के पीछे तरह-तरह के भय हैं। चिंताएं हैं। ढेरों हैं ऐसे आंकड़े जो बताते हैं कि उद्यमी-अमीर भारत छोड़ रहे हैं। हाल में सुनने को मिला कि अंबानियों ने इस बार ब्रिटेन में दिवाली मनाई! खाते-पीते मध्यम-अमीर वर्ग की निगाहों में भारत वह जंगल हो गया है, जहां न सांस साफ है, न वह घूमने लायक है और न शादी या सालगिरह मनाने लायक न निवेश लायक! सोचें, क्या ऐसी बुरी दशा जंगल में होती है?

> **ध्यान रहे आज से दक्षिण कोरिया में एपेक, आसियान-पूर्व एशियाई देशों के संगठनों की शिखर कूटनीति है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग व ट्रंप की मुलाकात से लेकर समूचे दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी एशियाई देशों में विश्व व्यापार, राजनीति के जो दांवपेंच होंगे उन सबसे भारत के बाहर होने, प्रधानमंत्री मोदी के बाहर रहने का वही अर्थ है जो अरब-खाड़ी देशों के गाजा जमावड़े में शर्म अल शेख में उनकी अनुपस्थिति का था।**

तभी पते का अहम मसला भारत के लोगों को दुनिया में इस सोच में देखा जाना है कि एक भारतीय (बिहारी) सौ बीमारी। दीवाली पर अमेरिका में सोशल मीडिया में ये पोस्ट थी कि हिंदूओं ने आकर कनाडा, अमेरिका के जंगल तबाह किए! भारतीय छात्रों के साथ बदसलूकी की खबरें आम हैं। संदेह नहीं कि बिहार की तरह ही शिक्षा के साथ अवसर के जुगाड़ में भारत से जो पलायन हो रहा है वह इस सोच में है कि कैसे भी हो, कोई भी अवसर हो उसे पाना है। कुछ भी करना है। तीस साल पहले भारत से लोग खाड़ी, आसियान देशों में मजदूरी, कारीगरी, कंस्ट्रक्शन जैसे किसी भी तरह के अवसर की तलाश में पलायन कर रहे थे। बाद में आईटीकर्मी के नाते जाने लगे।

मगर तीस-चालीस साल पहले दक्षिण से, केरल से भारतीयों का पलायन कार्य-अवसर विशेष से हुआ करता था। पर मिलेनियम पीढ़ी के बाद से भारत में हर जगह से, किसी भी तरह, दुनिया के किसी भी कोने में पलायन का ट्रेंड है। सामान्य बात नहीं है कि बेसिक आईटी शिक्षा लिए भारतीय लड़के कंपूचिया, म्यांमार, वियतनान, लाओस आदि में डिजिटल अपराध गैंग की चंगुल में फंसे। मतलब वही मनोविज्ञान काम कर रहा है जो बिहार से बाहर रोजी-रोटी, बेगारी के लिए पलायन का था।

तभी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीयों को हथकडी लगाकर लौटाया तो बाकी देशों में भी सभी तरफ भारतीय प्रवासियों पर फोकस हैं। पर भारत निरूत्तर। मोदी सरकार लगातार ट्रंप की रीति-नीति (खासकर छात्रों के अवसर, पेशेवर वीजा आदि में) के आगे पस्त है। वे मई से भारत को बार-बार जलील कर रहे हैं। भारत मजबूरन मौन। सोच सकते हैं इससे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, चीन, यूरोपीय संघ, खाड़ी-अफ्रीकी, आसियान देशों में भारत की इमेज कैसी बन रही होगी? ताजा खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान बैठक, पूर्व एशिया बैठक से वैसे ही किनारा काटा है जैसे संयुक्त राष्ट्र के महाधिवेशन और शर्म अल शेख की गाजा शिखर बैठक से काटा था। ध्यान रहे आज से दक्षिण कोरिया में एपेक, आसियान-पूर्व एशियाई देशों के संगठनों की शिखर कूटनीति है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग व ट्रंप की मुलाकात से लेकर समूचे दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी एशियाई देशों में विश्व व्यापार, राजनीति के जो दांवपेंच होंगे उन सबसे भारत के बाहर होने, प्रधानमंत्री मोदी के बाहर रहने का वही अर्थ है जो अरब-खाड़ी देशों के गाजा जमावड़े में शर्म अल शेख में उनकी अनुपस्थिति का था।

मतलब ट्रंप की वजह से अरब-खाड़ी देशों में पाकिस्तान को नए महत्व और आसियान व पूर्व एशिया में ट्रंप-शी जिनफिंग के दबदबे से प्रधानमंत्री मोदी दूर रहे हैं तो वजह घबराहट है। जबकि दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि तौबा कर भारत सरकार अंततः अमेरिका के कहे अनुसार कृषि उत्पादनों में भी खरीदारी करेगी। रूस से तेल आयात घटाएगी। क्यों? इसलिए क्योंकि भारत के पास है क्या जो वह कह सके कि उसे नहीं चाहिए अमेरिका से अवसर। हकीकत है कि प्रधानमंत्री मोदी हों, भारत सरकार हो या भारत के धन्ना सेठ या आम भारतीय सभी मजबूर है अमेरिका में याकि दुनिया में अवसर की ताक में!

भारत के लोगों में देश छोड़ने की बेचैनी

पहले कुछ आंकड़ों से ही बात शुरू करते हैं। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी ओईसीडी की ओर से सोमवार, तीन नवंबर को इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2025 जारी किया गया। इसके मुताबिक 2023 में सवा दो लाख भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता हासिल की। इस अवधि में पूरी दुनिया से करीब 28 लाख लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली है, जिसमें अकेले भारत से सवा दो लाख लोग हैं।भारत के बाद दूसरे स्थान पर फिलीपींस है, जिसके एक लाख 32 हजार लोगों ने 2023 में ओईसीडी देशों की नागरिकता हासिल की है। तीसरे स्थान पर चीन है, जिसके 96 हजार लोग इन देशों में बसे। भारतीय लोगों में ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता लेने का यह ट्रेंड ऐसा नहीं है कि एक साल का है। यह साल दर साल बढ़ता जा रहा है। 2022 में दो लाख 15 हजार के करीब लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली थी और उससे पहले 2021 में दो लाख सात हजार के करीब लोग इन देशों में जाकर बसे थे।

अजीत द्विवेदी

ओईसीडी समूह में कुल 38 देश हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश शामिल हैं। इसमें उत्तरी अमेरिकी देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय देश हैं। इन देशों की विशेषता यह है कि ये आर्थिक रूप से विकसित तो हैं ही साथ ही इन देशों में मानव जीवन के अनुकूल सबसे बेहतर स्थितियां हैं। हवा और पानी स्वच्छ है। खाने पीने की चीजें प्रदूषित नहीं हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत बेहतर है। स्वास्थ्य व शिक्षा की विश्व स्तरीय व्यवस्था है और मानवाधिकारों के प्रति सजग दृष्टि है। तभी दुनिया भर के लोग इन देशों में बसना चाहते हैं। यह अलग बात है कि इन देशों के नागरिकों में बाहरी लोगों के प्रति नाराजगी बढ़ने लगी है और वे खुल कर विरोध करने लगे हैं। बहरहाल, भारत की नागरिकता छोड़ने वालों में सबसे ज्यादा 78 हजार से कुछ ज्यादा लोगों ने कनाडा में नागरिकता ली है, जबकि 52 हजार से कुछ ज्यादा लोग अमेरिका के नागरिक बने हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड का नंबर है। इन आंकड़ों के बीच एक बड़ा दिलचस्प ट्रेंड यह दिख रहा है कि 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है और यह प्रचार शुरू हुआ है कि भारत विश्वगुरू बन रहा है और दुनिया में भारत का डंका बज रहा है उसके बाद लोगों के देश छोड़ने का चलन ज्यादा बढ़ा है। इसमें अचानक बहुत तेज बढ़ोतरी हुई है। भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने से एक साल पहले 2013 में सिर्फ 15,388 भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता ली थी। ध्यान रहे उस समय इन देशों की नागरिकता हासिल करना बहुत आसान था। इन देशों में नाममात्र के लिए भी भारत विरोध की भावना नहीं थी। इन देशों के नागरिक भारतीय लोगों का खुले दिल से स्वागत करते थे। फिर भी भारत की नागरिकता छोड़ कर इन देशों में जाने वालों की संख्या बहुत सीमित थी। अब इन देशों में खास कर शीर्ष चार देशों, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भारत विरोधी भावनाएं बहुत बढ़ गई हैं। इन देशों के कई शहरों में भारतीय नागरिकों के ऊपर हमले हुए हैं और देश छोड़ कर जाने को कहा गया है। आए दिन भारत के लोग घृणा और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं इन देशों ने नागरिकता के नियम भी सख्त कर दिए हैं। फिर भी भारत छोड़ कर इन देशों की नागरिकता लेने की होड़ मची है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत से लोग किसी मानवीय संकट की वजह से इन देशों में नहीं जा रहे हैं। दुनिया के कई देशों खास कर मुस्लिम देशों से शरणार्थी मानवीय संकट के कारण इन देशों में जा रहे हैं। लेकिन भारत से जाने का ट्रेंड आउट ऑफ च्वाइस है। यानी लोग अपनी पसंद से इन देशों में जा रहे हैं। नागरिकता हासिल करने से पहले बड़ी संख्या में भारतीय लोग इन देशों में कामकाज के सिलसिले में जा रहे हैं। 2023 में करीब छह लाख भारतीय इन देशों में पेशेवर कारणों से गए। यह उससे पहले यानी 2022 के मुकाबले आठ फीसदी ज्यादा था। अगले दो साल यानी 2024 और 2025 के आंकड़े बाद में आएंगे। लेकिन जो ट्रेंड है उसके कमजोर होने के संकेत नहीं हैं, बल्कि तमाम विरोध और नफरत के बावजूद भारत के नागरिकों के इन देशों में जाने का सिलसिला तेज हुआ है।

सोचें, यह संख्या कानूनी रूप से इन देशों में जाकर नागरिकता लेने वालों की है या कानूनी रूप से वैध वीजा के साथ इन देशों में जाने वालों की है। इनके अलावा हजारों की संख्या में लोग हर साल अवैध रूप से इन देशों में घुसने का प्रयास करते हैं। यह भी हकीकत है कि भारत के लोग इन देशों में जाकर वहां की बुनियादी व्यवस्था में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओईसीडी समूह के देशों में भारतीय डॉक्टर और नर्स सबसे बड़ी संख्या में हैं। ब्रिटेन के कुल विदेशी डॉक्टरों में भारत के डॉक्टरों का हिस्सा 23 फीसदी है। इसी तरह अमेरिका में यह हिस्सा आठ फीसदी है।

अब सवाल है कि भारत में ऐसा क्या बदल गया, जिसकी वजह से इतनी बड़ी संख्या में लोग दूसरे विकसित, सभ्य और लोकतांत्रिक देशों में बस रहे हैं या बसने के लिए परेशान हैं? यह बात तो समझ में आती है कि इन देशों में हालात बहुत बेहतर हैं। पिछले दिनों एक जानकार ने बताया कि दुबई जाकर सेटल होने के पीछे एकमात्र कारण सुरक्षा की भावना थी।

भारत में कोई भी व्यक्ति अपनी और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता है। लेकिन दुबई में हर छोटे, बड़े अपराध से सुरक्षा है। सुरक्षा की यह भावना लोगों को ओईसीडी देशों में जाकर बसने के लिए निर्देशित करती है। इसके अलावा बेहतर अवसर की उपलब्धता, बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा और बेहतर जीवन स्तर भी लोगों को निर्देशित करने वाली शक्ति है। लेकिन यह समझ में नहीं आता है कि भारत छोड़ने के लिए क्या चीज प्रेरित कर रही है? दूसरा सवाल यह है कि लोगों की चिंता अभी की है या भविष्य की चिंता में वे देश छोड़ रहे हैं?

ऐसा लग रहा है कि तात्कालिक कारणों से ज्यादा भविष्य की चिंता में लोग भारत छोड़ने को प्रेरित हो रहे हैं। सरकार की ओर से 2047 तक भारत को विकसित बना देने के वादे पर कम से कम उस वर्ग के लोगों में भरोसा नहीं है, जो पेशेवर योग्यता के दम से दुनिया के किसी देश में जाकर काम हासिल करने और बसने में सक्षम हैं या आर्थिक रूप से इतने सक्षम हैं किसी भी देश में जाकर बस सकते हैं। इसका अर्थ है कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को लेकर उनके मन में संदेह है। सरकार के विकास के दावों को लेकर भी उनके मन में भरोसा नहीं है। यही कारण है कि अर्थ और ज्ञान से संपन्न लोग देश छोड़ने की बेचैनी में हैं।

दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं

विशेषज्ञों को जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है। इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे। राष्ट्रीय राजधानी में क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की नाकामी में कई सबक छिपे हैं।

पहले तो इससे यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति जाहिर हुई है कि तकनीक संस्थान एवं विशेषज्ञ सरकारों की मंशा के मुताबिक चलने की ऐसी मानसिकता का शिकार हो गए हैं कि मानों उन्होंने स्वतंत्र राय देने से तौबा कर लिया है।

वरना, आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ बिना ठोस परिस्थितियों का आकलन किए ऐसे प्रयास में शामिल नहीं होते, जिसके नाकाम रहने से उनकी भी किरकिरी हुई है। विशेषज्ञों को यह जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है।

इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे। वैसे इससे भी बड़ा मुद्दा है प्रदूषण की गंभीर समस्या के बीच दिल्ली सरकार का कृत्रिम वर्षा का 'इन्वेंट' आयोजित करने का नजरिया। दिवाली के आसपास दिल्ली में घने स्मॉग का छाना जैसे एक मौसमी घटना बन गया है। ऐसा क्यों होता है, इस बारे में अनेक अध्ययन हुए, जिनसे अब काफी जानकारी उपलब्ध है।

प्रदूषण के कारण व्यवस्थागत हैं। इनकी जड़ें परिवहन संबंधी सरकारी नीतियों और हरित तकनीक लागू करने को लेकर प्रशासनिक लापरवाही में हैं। इन कारणों से प्रदूषक तत्वों का उत्सर्जन लगातार होता रहता है। उनसे बनी सतह पर जब पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से आया धुआं और दिवाली पर पटाखों से निकले हानिकारक तत्व जा बैठते हैं, तो वातावरण पर स्मॉग छा जाता है।

स्पष्टतः इस समस्या का फौरी हल तब नहीं हो सकता, जब यह गंभीर रूप में सामने आ जाती है। इसका समाधान नीतिगत बदलाव और निरंतर प्रयासों से ही संभव है। मगर ऐसा करने का मद्दा या नजरिया जब नहीं होता, तब दिखावटी उठाना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है। ऐसे ही कदम के तौर पर इस वर्ष कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की गई। मगर उसकी नाकामी ने दूसरी गहराती समस्याओं को भी उजागर कर दिया है। जाहिर यह हुआ है कि देश में ज्ञान- विज्ञान विरोधी गहराते माहौल के बीच साधारण-से कार्यों को संपन्न करना भी दूभर हो गया है।

गंभीर चिंता का पहलू

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भेज कर कहा है कि वे प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों को रिटायर्ड अग्निवीरों की भर्ती के लिए राजी करें। खासकर उन एजेंसियों को, जिनकी सेवाएं सरकारी विभाग, बैंक आदि लेते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने जब 'अग्निपथ' योजना लागू की, तभी ये चेतावनी दी गई थी कि इसके तहत भर्ती अग्निवीर जब रिटायर्ड होंगे, तो भारतीय समाज के लिए वे एक बड़ी चिंता का कारण बनेंगे। सरहदों की हिफाजत में युवा उम्र के चार साल गुजारने के बाद जब बाकी जिंदगी में उन्हें सचमुच के अग्निपथ से गुजरना होगा। अब ये आशंका सच होती दिख रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भेज कर कहा है कि वे प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों को रिटायर्ड अग्निवीरों की भर्ती के लिए राजी करें। खासकर उन एजेंसियों को, जिनकी सेवाएं सरकारी विभाग, बैंक आदि लेते हैं। इसके लिए प्राइवेट सिक्युरिटी एजेंसी रेगुलेशन ऐक्ट का सहारा लेने को कहा गया है। इस कानून में प्रावधान है कि प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियां सेना, पुलिस और सशस्त्र बलों से रिटायर्ड कर्मियों को भर्ती में तरजीह दे सकती हैं। मगर ध्यान में रखने की बात है कि थल, वायु एवं जल सेनाओं से रिटायर्ड कर्मियों को पेंशन, इलाज, कैंटीन आदि की सेवाएं ताउम्र मिलती हैं, जबकि अग्निवीरों को चार साल की नौकरी के बाद एकमुश्त 11.71 लाख रुपये देकर विदा करने का प्रावधान है। केंद्र ने 25 फीसदी अग्निवीरों को 15 और साल के लिए सेना में रखने तथा अपने तहत आने वाले अर्धसैनिक बलों में उनके लिए आरक्षण का प्रावधान किया है। ऐसा ही प्रावधान राज्य सरकारों से भी पुलिस एवं सशस्त्र बलों में करने को कहा गया है। मगर ये सब आश्वासन हैं, गारंटी नहीं। इसलिए अंदेशा है कि ज्यादातर अग्निवीरों का भविष्य प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों में अस्थायी नौकरी करना होगा। ये सवाल पहले भी उठा था और आज भी प्रासंगिक है कि क्या इसका खराब असर भारतीय सीमाओं के रक्षकों के मनोबल पर नहीं पड़ेगा?

एसआईआर में तो सभी को सहयोग करना चाहिए

देश के कई राज्यों सहित छत्तीसगढ़ में एसआईआर मंगलवार से शुरू हो गया है। चुनाव आयोग इसे समय समय पर कराता है, इसका मकसद होता चुनाव के लिए बनने वाली मतदाता सूची में कोई त्रुटि है तो वह सभी के सहयोग से दूर कर दी जाए और चुनाव त्रुटिरहित मतदाता सूची से कराया जाए। मतदाता सूची जब शुध्द रहती है तो चुनाव अच्छे से होता है, उसे लेकर कोई शंका नहीं रहती है।माना जाता है कि राज्य के पात्र लोगों ने मतदान किया है, कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित नहीं हुआ है। चुनाव आयोग की तो पूरी कोशिश रहती है कि राज्य के शतप्रतिशत पात्र लोग मतदान करें लेकिन ऐसा होता नहीं है, बहुत सारे लोग कई कारणों से वोट नहीं देते हैं। फिर भी चुनाव आयोग की पहल से राज्यों व देश के चुनाव में मतदान प्रतिशत पिछले चुनावों की तुलना में बढ़ा तो है।

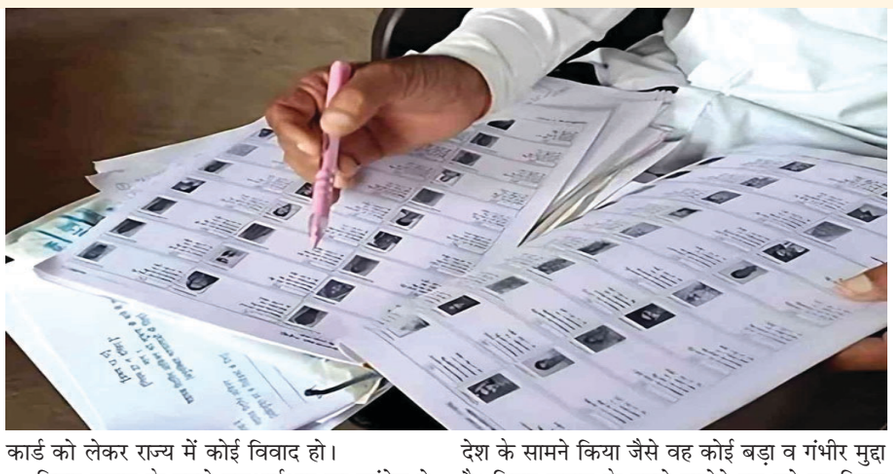

एसआईआर के बीएलओ घर घर जाकर वोटर की पहचान कर उसके दस्तावेज का सत्यापन करेंगे।इसके लिए 27199 बीएलओ को जिम्मेदारी दी गई है।वह 4 दिसंबर तक यह काम पूरा करेंगे।इसके लिए जरूरी प्रशिक्षण उनको दिया जा चुका है ताकि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न रहे। बीएलओ रोज जितना काम करेंगे, वह रोज सर्वर में अपडेट होता रहेगा.वे रोज यह भी बताएंगे कि कितने फार्म भरकर उन्होंने लौटाएं हैं। यह पहले ही साफकर दिया गया है कि 2003 की मतदाता सूची के आधार पर वोटरों के नामों का सत्यापन होगा।कोई भी पात्र व्यक्ति न छूटे इसलिए बीएलओ एक घर में तीन बार जाएंगे।वह चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए 13 दस्तावेज में से कोई भी एक दस्तावेज लोगों से दिखाने को कहेंगे।एसआईआर के पहले यह साफ कर दिया गया है कि आधार कार्ड केवल पहचान पत्र है,इसे नागरिकता या जन्म प्रमाण पत्र नहीं माना जाएगा ताकि बिहार की तरह आधार कार्ड को लेकर राज्य में कोई विवाद हो।

बिहार चुनाव के पहले एसआईआर का कांग्रेस ने बहुत विरोध किया, इसे रद्द कराने के लिए लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने रद्द करने से इंकार कर दिया। कांग्रेस ने बिहार चुनाव के पहले चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करने का प्रयास किया।भाजपा चुनाव आयोग की मिलीभगत का आरोप लगाया, वोट चोरी कर चुनाव जीतने का आरोप लगाया।राहुल गांधी ने महाराष्ट्र व कर्नाटक चुनाव को लेकर प्रेस कान्फ्रेंस में कई सवाल उठाए, चुनाव आयोग ने सबका जवाब दिया। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी व कांग्रेस को एफीडेविट में देने को कहा। कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। यही नहीं उसके पास चुनाव आयोग के खिलाफ कोई सबूत नहीं था इसलिए वह चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की हिम्मत भी नहीं कर सकी।एक राज्य के कोर्ट ने तो राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए आरोपों को किसी व्यक्ति द्वारा पेश करने पर हवाई मानते हुए सुनवाई से ही इंकार कर दिया था।

वोट चोरी को राहुल गांधी ने पेश तो इस तरह देश के सामने किया जैसे वह कोई बड़ा व गंभीर मुद्दा है। बिहार चुनाव के पहले उन्होने इस मुद्दे पर बिहार में यात्रा भी निकाली लेकिन महागठबंधन के किसी और दल ने इस न तो गंभीर मुद्दा माना और न ही बड़ा मुद्दा माना। चुनाव प्रचार के दौरान भी कांग्रेस व राहुल गांधी ने भले ही एक दो जगह इस मुद्दे को उठाया हो लेकिन बिहार में चुनाव में महागठबंधन के दलों ने तो इस मुद्दे को उठाया ही नहीं। इसकी जगह वे रोजगार,जनहित के मुद्दे उठाते रहे। महागठबंधन की तरफ से जो घोषणापत्र जारी किया गया है,उसमें वह सब बातें हैं जो तेजस्वी कहते रहे हैं, कांग्रेस या अन्य दलों की बातें नहीं है, इसलिए बाकी दलों ने तेजस्वी के घोषणापत्र को ही अपना घोषणापत्र मान लिया है।

वोट चोरी बिहार चुनाव में बड़ा व गंभीर मुद्दा नहीं माना गया है, कांग्रेस व राहुल गांधी ने इसे उस तरह से नहीं उठाया है जिस तरह से इसे चुनाव के पहले उठाने की तैयारी व तेवर दिखाए थे। चूंकि वोट चोरी को लेकर कांग्रेस ने देश के राज्यों में अभियान चलाने को कह दिया था तो छत्तीसगढ़ राज्य की इकाई ने वोट चोरी के मुद्दे पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर 15 लाख 75 हजार फार्म दिल्ली कांग्रेस को भेज दिए हैं।

इस अभियान व दिल्ली भेजे गए फार्मों से कहीं साबित नहीं होता है कि देश के मतदाता सूची में कोई गड़बड़ी चुनाव आयोग ने कराई है, चुनाव आयोग वोट चोरी कराई है तो कैसे कराई है। यह तो राहुल गांधी के वोट चोरी अभियान को गंभीर मुद्दा बताने के लिए देश में अभियान चलाने को कहा गया तो कांग्रेस अध्यक्ष को यह काम करवाना पड़ा। जनता व मीडिया को बताना पड़ा राहुल गांधी वोट चोरी को गंभीर मुद्दा कहा है तो राज्य की इकाई उनके साथ है, वह मानती है कि राहुल गांधी ने सच कहा है। कांग्रेस के पास एसआईआर के दौरान मौका है कि वह चुनाव आयोग के साथ मिलकर मतदाता सूची को जितना शुध्द कर सकती है करना चाहिए, मतदाना सूची बनने के बाद वह किसी भी तरह का आरोप लगाएगी तो उस पर कोई यकीन नहीं करेगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

भिलाई में सेल क्रिकेट चैम्पियनशिप 10 नवम्बर से

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के निगमित कार्यालय के मार्गदर्शन में सेल क्रिकेट चैम्पियनशिप का आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सेवाएं द्वारा 10 से 15 नवम्बर, 2025 तक भिलाई में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन 10 नवम्बर को सुबह 8.30 बजे क्रिकेट ग्राउंड, सेक्टर 10 में किया जायेगा। समापन 15 नवम्बर को संध्या 5.00 सेक्टर -1 क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुल 11 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में 20-20 ओवर के मैच खेले जायेंगे तथा प्रतिदिन 2-2 मैच होंगे। सुबह 9.00 बजे 12.30 बजे तक और दूसरा मैच दोपहर 1.00 बजे से 4.30 बजे तक खेला जायेगा।

जिला रोजगार केन्द्र में प्लेसमेंट कैम्प 10 नवम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग मालवीय नगर चौक में 10 नवम्बर सोमवार को प्रात: 10:30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जावेगा। कैम्प में एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग के लिए ड्युटी डॉक्टर, डेंटिस्ट फार्मासिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन एक्स-रे टेक्निशियन ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन नेत्र रोग सहायक (आप्थाल्मिक टेक्नीशियन) नर्सिंग स्टाफ सुपरवाईजर, नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट, मैनेजर, लेक्क्चरर लाइब्रेरियन कंप्यूटर ऑपरेटर आई.टी. इंचार्ज, फील्ड ऑफिसर, एकाउन्टेंट, सिक्युरिटी गार्ड, मल्टीपल वर्कर आया बाई एवं कुक सफाई कर्मचारी, ड्राइवर अन्य कर्मचारी इत्यादि के कुल 100 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जावेगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन मान 7000 रुपए से 50000 रुपए तक है।

नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने किया अपने कक्ष का शुभारंभ

दुर्ग। नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने निगम परिसर स्थित मोतीलाल वोरा

सभागार के नीचे बने अपने कक्ष का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। शुभारंभ अवसर पर नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, पार्षद ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, दीपक साहू,भास्कर कुंडले, मनीष कोठारी, पूर्व विधायक अरूण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, आयुष शर्मा, वरुण केवलतनी, प्रेम लता साहू, बिजेंद्र भारद्वाज, सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई विद्यालय में तीन दिवसीय स्काउट गाइड रैली का रंगारंग समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई विद्यालय में तीन दिवसीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का समापन 8 नवम्बर को सम्पन्न हुआ। यह रैली भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई तथा भिलाई इस्पात संयंत्र, शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी, जिसमें 9 विद्यालयों की 12 टुकड़ियों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी थीं। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए तंबुओं, रंगोली एवं हस्तकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला आयुक्त (स्काउट) एवं प्राचार्य, भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 विजय सिंह पवार ने शिविर गतिविधियों पर पावर पॉइंट प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि डॉ. विनीता द्विवेदी ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग जीवन निर्माण की वास्तविक प्रयोगशाला है। इसके सिद्धांत चरित्र, अनुशासन और सेवा भावना को विकसित करते हैं, जो एक सुदृढ़ समाज और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव हैं। उन्होंने विजयी स्काउट्स एवं गाइड्स को पुरस्कार वितरित किए तथा श्रेष्ठ स्काउट, श्रेष्ठ गाइड और श्रेष्ठ टुकड़ी को सम्मानित किया।

शिविर में स्काउट्स एवं गाइड्स ने न्यूनतम संसाधनों में जीवन यापन के साथ-साथ विभिन्न जीवनोपयोगी प्रतियोगिताओं में अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। शिविर के प्रथम दिन स्काउट-गाइड प्रार्थना एवं नियम-प्रतिज्ञा, गांठ एवं लाठी द्वारा पायनियरिंग, स्मृति परीक्षण तथा कलर पार्टी परेड की प्रतियोगिताएँ हुईं। द्वितीय दिवस पर कुकिंग, समूह नृत्य, बी.पी.-6, श्रेष्ठ स्काउट एवं गाइड चयन आदि प्रतियोगिताएँ हुईं। तृतीय दिवस पर प्राथमिक उपचार, रंगोली, हस्तकला तथा तंबू निर्माण की प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं।

कन्या उमा विद्यालय सेक्टर-11 की गाइड्स तथा भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 की गाइड्स ने नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं ईएमएमएस सेक्टर-6 एवं सेक्टर-9 ने म्यूजिकल ड्रिल का प्रदर्शन किया। संचालन सहायक प्रबंधक (शिक्षा) मनीष तिवारी एवं शिक्षक शीतल चंद्र शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला आयुक्त (गाइड) एवं प्राचार्य एसएसएस सेक्टर-10 सुमिता सरकार ने किया।

इम्फाल राष्ट्रीय फेंसिंग में छत्तीसगढ़ को एक रजत सहित तीन पदक मिले

वीर गुप्ता ने एक तथा स्नेहा यादव ने अलग अलग वर्गों में दो पदक हासिल किए

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 27 वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप, इम्फाल, मणिपुर में छत्तीसगढ़ ने 01 रजत 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया। छत्तीसगढ़ के वीर कुमार गुप्ता ने एपी व्यक्तिगत मुकाबले में रजत पदक, स्नेहा यादव ने फॉयल व्यक्तिगत मुकाबले में कांस्य पदक तथा एपी टीम इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 8 नवम्बर तक किया गया। जिसमे देश के विभिन्न राज्यों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया।

उक्त प्रतियोगिता के एपी बालक व्यक्तिगत मुकाबले में वीर कुमार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य को रजत पदक दिलाया। वीर कुमार गुप्ता ने अपने व्यक्तिगत मुकाबले में केरला, कर्नाटक , बिहार तथा गुजरात के प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को हराते हुए फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबले में मणिपुर के प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी से 9-15 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा इसी के साथ द्वितीय स्थान पर रहते हुए रजत पदक पर हासिल किया।

फॉयल बालिका व्यक्तिगत मुकाबले में स्नेहा यादव ने छत्तीसगढ़ को कस्य पदक दिलाया। स्नेहा यादव ने चंडीगढ़ , पंजाब, हरियाणा, मणिपुर के प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाया लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा तथा तीसरे स्थान में रहते हुए कांस्य पदक से संतुष्ट करना पड़ा।

छत्तीसगढ़ को तीसरा एवं अंतिम पदक एपी बालक टीम ने कांस्य पदक के रूप में दिलाया।

एपी बालक टीम में वीर कुमार गुप्ता, श्रेयांश गुप्ता, देवाशीष साहू एवं भौमिक यादव ने टीम का प्रतिनिधित्व किया। एपी बालक टीम ने टॉप 16 में दिल्ली की टीम को 15 -11 से हराकर क्वार्टर-फाईनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाईनल में छत्तीसगढ़ ने गुजरात को संघर्षपूर्ण मैच में 45-41 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला हरियाणा के साथ खेला गया जिसमे छत्तीसगढ़ को 33-45 से हार का सामना करते हुए कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 01 रजत 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक प्राप्त किये।

छत्तीसगढ़ राज्य के इन खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर अपने दमदार खेल से छत्तीसगढ़ का नाम फिर से गौरांवित किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 28 सदस्यीय टीम ने भाग लिया जिसके मुख्य कोच शहीद हनुमान सिंह अवॉर्डी व्ही.जॉनसन सोलोमन रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य की इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.प्रकाश, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील रामदास अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, महासचिव बशीर अहमद खान, संयुक्त सचिव अखिलेश दुबे निखिल जंबूलकर, कोषाध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता प्रशिक्षक व्ही. जॉनसन सोलोमन, प्रवीण कुमार, मोहनीश वर्मा सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन एवं विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए हार्दिक बधाई दी।

वेसल परिवर्तन के बाद कन्वर्टर-बी फिर चालू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 ने 8 नवम्बर 2025 को कन्वर्टर-बी के वेसल परिवर्तन कार्य को पूर्ण कर सफलतापूर्वक पुन: चालू करके महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह कार्य 5 सितम्बर 2025 को प्रारंभ हुआ था और 8 नवम्बर 2025 को संपन्न हुआ, जो एसएमएस-2 समूह के लिए एक उल्लेखनीय तकनीकी माइलस्टोन सिद्ध हुआ है।

इस कार्य का मुख्य उद्देश्य उत्सर्जन नियंत्रण, परिचालन दक्षता तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप उत्पादन प्रक्रिया की विश्वसनीयता को और सुदृढ़ बनाना था। यह परियोजना तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल एवं चुनौतीपूर्ण रही, जिसके लिए कन्वर्टर-ए और कन्वर्टर-बी में नियमित उत्पादन कार्यों के साथ चौबीसों घंटे चलने वाली गतिविधियों के बीच सूक्ष्म समन्वय आवश्यक था।

मुख्य महाप्रबंधक एसएमएस-2 सुशांत कुमार घोषाल के कुशल मार्गदर्शन तथा मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) उन्मेष भरद्वाज के सतत् सहयोग और पर्यवेक्षण में यह जटिल कार्य सुरक्षित एवं दक्षतापूर्वक पूरा किया गया, जिसने उत्कृष्ट टीमवर्क और तकनीकी निपुणता का परिचय दिया। इस परियोजना का क्रियान्वयन एसपीआई एवं मेकॉन कंसोर्टियम द्वारा परियोजनाएँ, एसईडी, इंस्ट्रूमेंटेशन और एएंडडी विभागों के समन्वय में किया गया। इन विभागों के समर्पण और योजना ने इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह उपलब्धि भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं तकनीकी विश्वसनीयता की दिशा में एक और सशक्त कदम सिद्ध होगी।

जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत, योगदान पर अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में निबंध, चित्रकला, रंगोली, छत्तीसगढ़ की जनजातीय नृत्य एवं छत्तीसगढ़ की जनजातीय परिधान एवं उससे संबंधित जाति का परिचय विधाओं में दो दिवसीय जिला स्तरीय अंतर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य थीम जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत-ऐतिहासिक, सामाजिक एवं अध्यात्मिक योगदान था।

प्रथम दिन निबंध, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 13 महाविद्यालयों से 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। चित्रकला में 12 महाविद्यालयों से 24 विद्यार्थियों ने जनजातीय नायकों के मनोरम चित्र बनाये। रंगोली प्रतियोगिता में 17 प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति को रंगोली के माध्यम से उकेरा। दूसरे दिन जनजातीय नृत्य में 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अंतिम कड़ी में जनजातीय परिधान प्रतियोगिता 20 प्रतिभागियों ने भागीदारी की।

विमेंस कॉलेज में एआई और नो-कोड ऑटोमेशन पर व्याख्यान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई महिला महाविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस एवं नो-कोड ऑटोमेशन पर व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में एआई गैंगस्टर के संस्थापक अभिनव क्लॉडियस तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राहुल सर्वा उपस्थित रहे।

प्राचार्या ने अपने प्रेरक संबोधन में वर्तमान युग में प्रत्येक व्यवसायिक क्षेत्र में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य के हर पेशेवर के लिए इन कौशलों का ज्ञान आवश्यक हो गया है। कंप्यूटर विज्ञान की विभागाध्यक्ष सलमा मोहम्मद शफी ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता अभिनव क्लॉडियस ने अत्यंत रोचक, सरल एवं प्रभावशाली भाषा में एआई और नो कोड ऑटोमेशन के मूल सिद्धांतों, उनके वास्तविक उपयोग तथा भविष्य में इनके बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि आधुनिक एआई टूल्स जैसे एन8एन, चैटजीपीटी, जेमिनाई, लिंक्डइन आदि का प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किस तरह मिनटों में डेटा व्यवस्थित करना, प्रेजेंटेशन तैयार करना तथा ऑनलाइन डेटा संग्रहण जैसे काम बिना कोडिंग के भी किया जा सकता है। राहुल सर्वा ने समझाया कि किस प्रकार वे अपना स्वयं का एआई-आधारित ऑनलाइन असिस्टेंट तैयार कर सकते हैं, जो डिजिटल क्लोन के रूप में ईमेल उत्तर देने सहित अनेक कार्य स्वत: कर सकता है।

छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी। उप प्राचार्या डॉ. आशा रानी दास, एआई समन्वयक डॉ. रूपम अजीत यादव, तथा महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

गर्भधारण में विलंब से बढ़ता है स्तन कैंसर का जोखिम : डॉ केकरे

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़े हैं. इसके बाद क्रमश: गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स), फेफड़े और कोलोरेक्टर कैंसर के मामले आते हैं. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए अब टीके भी उपलब्ध हैं. पर क्या आप जानते हैं कि सही उम्र में मां बनने तथा स्तन पान कराने वाली माताओं को स्तन कैंसर होने की संभावना काफी कम हो जाती है?

हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल के कैंसर विशेषज्ञ डॉ अनंत मुकुन्द केकरे बताते हैं कि महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं. वर्ष 2018 में महिलाओं में पाए गए सभी नए कैंसर मामलों में लगभग 28 प्रतिशत स्तन कैंसर के थे. नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2019 में स्तन कैंसर के 2,00,218 मामले दर्ज हुए, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 2,21,579 पर पहुंच गए. वर्ष 2022 में दुनियाभर में स्तन कैंसर से हुई 6,65,255 मौतों में से सबसे अधिक यानी 98,337 महिलाएं भारत में थीं.

डॉ केकरे ने बताया कि प्रदूषण, विवाह की बढ़ती उम्र, बिगड़ी खानपान और जीवनशैली सामूहिक रूप से इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं. अध्ययनों में यह पाया गया है कि 20 से 30 साल की उम्र के बीच मां बनने और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर की संभावना काफी कम हो जाती है. अच्छी बात यह है कि स्तन कैंसर के मामले जल्दी पकड़ में आने पर इसका प्रभावी इलाज संभव है जिसके बाद महिलाएं लंबे समय तक एक अच्छा जीवन जी सकती हैं. महिलाएं प्रतिदिन अपने स्तनों की स्वयं जांच कर उभार या गांठ का पता लगा सकती हैं.

महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर गर्भाशय ग्रीवा का होता है. इसकी रोकथाम के लिए टीका उपलब्ध है. सक्रिय यौन जीवन शुरू करने से पहले टीका लगवाना उत्तम होता है जबकि बाद में भी इसे लगाया जा सकता है. इसकी जांच भी बहुत आसान है जो किसी क्लिनिक में की जा सकती है. नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट करवाने पर स्टेज-0 पर भी इसे पकड़ा जा सकता है.

कैंसर के कुछ मामले महिलाओं और पुरुषों में समान रूप से पाए जाते हैं. तम्बाकू और गुटखा का सेवन आजकल महिलाएं भी कर रही हैं जिससे मुंह और गले के कैंसर का खतरा बढ़ रहा है. गुटखा और तम्बाकू का रस गले के रास्ते पाचन संस्थान तक पहुंच सकता है और उन्हें भी प्रभावित कर सकता है. फास्टफूड और रेडमीट के कारण भी महिलाओं में भी आंतों का कैंसर बढ़ रहा है.

डॉ केकरे बताते हैं कि कैंसर के निदान की नई तकनीकें एवं चिकित्सा की नई सुविधाएं विकसित होने से अब न केवल कैंसर ठीक हो सकता है बल्कि जीवन प्रत्याशा एवं गुणवत्ता में भी इजाफा हो रहा है. पर जागरूकता के अभाव में लोग अस्पताल तब पहुंचते हैं जब कैंसर दूसरे या तीसरे स्टेज में प्रवेश कर चुका होता है.

कैंसर से बचाव कैसे करें

कैंसर से बचाव की चर्चा करते हुए डॉ केकरे बताते हैं कि सबसे पहले जरूरी है कि हम एक स्वस्थ जीवन शैली को अपनाएं और खानपान को ठीक करें. इसके साथ ही जागरूक हों तथा कैंसर की छोटी से छोटी संभावना दिखाई देने पर तुरन्त जांच करवाएं. महिलाएं अपने मासिक चक्र का ध्यान रखें. दो मासिक चक्रों के बीच में रक्तस्राव, योनी से असामान्य स्राव, माहवारी बंद होने के बाद रक्तस्राव, संबंध बनाने पर रक्तस्राव होने पर तत्काल डाक्टर की सलाह लें. इसी तरह एक हाथ को ऊपर उठाकर दूसरे हाथ की हथेली से स्तनों की जांच करें. गांठ या गोले का अहसास होने पर तत्काल डाक्टर से मिलें. निपल्स से किसी भी तरह डिस्चार्ज होने अथवा उनका रंग या आकार बदलने पर भी डाक्टर से संपर्क करें. ये कैंसर के लक्षण हो सकते हैं.

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

नगर सैनिकों की वर्दी, जूते, कंबलों की नीलामी 28 नवंबर को

कोरबा। नगर सैनिकों की पुराने वर्दियां, कार्यालय के अन्य अप्रयोज्य सामानों की नीलामी 28 नवंबर को जिला सेनानी कार्यालय नगरसेना कोरबा में होगी। यह नीलामी होमगार्ड लाईन रजगामार रोड कार्यालय में सुबह 11 बजे होगी। नीलामी 'लाट में, जैसी है जहां है जितनी है' आधार पर की जायेगी। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में नगरसेना के जवानों की वर्दी, टोपी, टोपी बैज, कंधा बैज, जूते, मोजे, कंबल, दरी, जर्सी, अंगोला शर्ट, बेल्ट, बेल्ट लेदर, मच्छरदानी, बरसाती, ग्राउण्ड सीट, व्हिसील, थाली, गिलास, बूट ब्रश, पंखा, सबमर्सिबल मोटर एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री शामिल है। पूरे निष्प्रयोज्य सामान की एक साथ नीलामी होगी। इच्छुक क्रेता नीलामी तिथि से एक दिन पहले तक कार्यालय जिला सेनानी नगर सेना कोरबा में आकर सामग्रियों का अवलोकन कर सकते हैं। खरीददार को बोली लगाने के पूर्व एक हजार रुपए प्रतिभूति के रूप में जमा करना होगा।

56 महिला समूहों को एक करोड़ 20 लाख का बैंक लोन स्वीकृत

जशपुरनगर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत विकासखंड कांसाबेल में मुद्रा एवं बैंक क्रेडिट मेले में 56 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल एक करोड़ 20 लाख रुपये की बैंक लिंकेज अंतर्गत ऋण राशि स्वीकृत की गई। साथ ही व्यक्तिगत रूप से 68 महिलाओं को 74 लाख रुपये के मुद्रा लोन की स्वीकृति और 2 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 4 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य हीरामनी पैंकरा रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, जनपद सदस्य पिंकी भगत एवं रोशनी चौहान, केशव पांडे और घनश्याम अग्रवाल उपस्थित रहे।

मोबाइल ऐप से होगी धान खरीदी की निगरानी

जशपुरनगर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी को लेकर आज कलेक्टोरेट के मंत्रणा सभाकक्ष में प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ने बताया कि धान उपार्जन कार्य को सुचारु एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जिले में 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी। खरीदी प्रारंभ होने से पहले माप-तौल यंत्र, बारदाने, किसानों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, बिजली, सीसीटीवी, इंटरनेट एवं परिवहन व्यवस्था आदि पूरी तरह से तैयार रहें। इस बार धान खरीदी की संपूर्ण निगरानी सतर्क मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाएगी। इसमें धान खरीदी केंद्रों से धान लोड होकर जाने वाले गाड़ियों की लोडिंग के पहले और लोडिंग के बाद की फोटो सतर्क ऐप में अपलोड की जाएगी। साथ ही वाहन की राइस मिल तक जाने की रूटवार जीपीएस के माध्यम से ट्रैकिंग की जाएगी। किसी भी प्रकार की शिकायत एवं समस्या का सतर्क ऐप के माध्यम से ऑनलाइन निगरानी कर त्वरित निराकरण भी किया जाएगा।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव 12 नवम्बर को

बीजापुर। शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव वर्ष 2025-26 का जिला स्तरीय आयोजन 12 नवम्बर 2025 को मिनी स्टेडियम बीजापुर में प्रात: 11:00 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न लोक कला दल पारंपरिक लोक नृत्य, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देंगे। जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसी एक दल का चयन राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में किया जाएगा जो 18 नवम्बर 2025 को जिला अंबिकापुर सरगुजा में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में संयुक्त रूप से शामिल होगा। जिला स्तरीय महोत्सव में भाग लेने के इच्छुक दल 10 नवम्बर 2025 को सायं 4:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास बीजापुर में संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

रामतिल की होगी प्राकृतिक तरीके से खेती, उत्पादन के साथ ही बढ़ेगी आमदनी

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा द्वारा ग्राम तिरकेला, विकासखंड लखनपुर में तिलहन अंतर्गत रामतिल फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन निदेशक अटारी, जोन 9, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. एस.एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदर्शन प्रभारी सूर्य प्रकाश गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि रामतिल फसल का प्रदर्शन 50 कृषकों के खेतों में लिया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़ना और अधिक उत्पादन प्राप्त करना है। इसके लिए केंद्र द्वारा चयनित कृषकों को बीज, खरपतवारनाशक एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई थी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक पांडुराम पैंकरा ने किसानों को प्राकृतिक खेती की प्रक्रिया एवं उसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल लागत कम करती है बल्कि मिट्टी की उर्वरता और उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि नया दौर ऑर्गेनिक खेती का है जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा ने फसल की स्थिति का निरीक्षण कर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन से बेहतर उत्पादन एवं लाभ प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने केंद्र द्वारा संचालित कृषक उपयोगी योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी।

कार्यक्रम में बीज प्रमाणीकरण अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता ने किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीज उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है और यदि इसे वैज्ञानिक विधि से किया जाए तो उच्च गुणवत्ता वाले बीज के साथ अधिक मुनाफा भी प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं को मिल रहा बहुआयामी कौशल प्रशिक्षण

डिप्टी सीएम और होम मिनिस्टर विजय शर्मा ने आजीविकामूलक कार्यों से जोड़ने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल में बसे ग्राम मुल्ला के पुनर्वास केन्द्र में आकस्मिक प्रवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं को दिए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात की और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को उनकी सभी मूलभूत समास्याओं का विशेष ध्यान रखने को निर्देशित किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें प्रतिदिन कम से कम दो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में एक से अधिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया जा सके जिससे उनके जीवन में दीर्घकालिक रोजगार मुहैया हो सके।

शनिवार शाम को ग्राम मुल्ला पुनर्वास केन्द्र पहुंचे उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से शिक्षा-दीक्षा और खेती के संबंध में जानकारी ली, साथ ही उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को पुनर्वासित परिवार के सदस्यों से पुनर्वास केन्द्र में मुलाकात की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड भी बनवाने एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के निर्देश भी दिए। मुख्यधारा में लौटे युवाओं को परिवार की सहमति होने पर पुनर्वास केंद्र में ही सामूहिक विवाह की व्यवस्था कराने के लिए कहा गया।

उन्होंने युवाओं को विधानसभा सत्र के दौरान रायपुर भ्रमण कराकर उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी देने और उन्हें कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि माओवाद विचारधारा से मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों को वर्तमान में कौशल प्रशिक्षण केंद्र मुल्ला भानुप्रतापपुर में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें काष्ठ शिल्प, राज मिस्त्री तथा इलेक्ट्रिशियन जैसे एडवांस ट्रेड्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान में यहां कुल 66 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 52 पुनर्वासित युवक एवं 14 प्रभावित परिवारों के सदस्य शामिल हैं। जिसमें 36 युवाओं को काष्ठ शिल्प, 15 युवाओं को राज मिस्त्री तथा 15 युवाओं को इलेक्ट्रिशियन ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे स्वावलंबी होकर अपने परिवार एवं समाज के आर्थिक विकास में योगदान देते हुए आत्मनिर्भर बने और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, वरिष्ठ एसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला, एडिशनल एसपी आकाश श्रीमाली, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एसडीएम भानुप्रतापपुर जीडी वाहिले, डिप्टी कलेक्टर राहुल रजक, लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य सुनील नेताम सहित जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

हाई -हायर सेकण्डरी स्कूलों में लगे अखबारों के स्टैण्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरबा जिले के स्कूलों में अब एक नई सुबह की शुरुआत होती है- हाथों में किताबों के साथ-साथ अखबार भी। यह बदलाव आया है जिला प्रशासन की पहल से, जिन्होंने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं से जोड़ने और करियर निर्माण में सहयोग देने के उद्देश्य से एक अभिनव कदम उठाया है। डीएमएफ फंड से यह व्यवस्था की गई है।

पहले स्कूलों में बच्चे केवल पाठ्य-पुस्तकों तक सीमित रहते थे, लेकिन अब जब वे स्कूल के गेट से भीतर प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले न्यूज पेपर स्टैंड में सजे अखबारों पर उनकी नजर जाती है। देश-दुनिया, राज्य और अपने जिले की खबरें पढ़ते हुए उनमें एक नई जिज्ञासा, नई दृष्टि और आत्मविश्वास का संचार होता है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम लेंगी के हाईस्कूल की छात्रा समीना कहती है कि अब हमें सिर्फकिताबों से ही नहीं, बल्कि अखबार से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। देश-विदेश की खबरें पढ़कर समझ आता है कि बाहर की दुनिया कितनी बड़ी है और हम उसमें क्या बन सकते हैं।

समीना की सहपाठी सोनी मार्को और कल्याणी भी हर सुबह स्टैंड पर लगे अखबार को पढ़ती हैं। वे बताती हैं कि इससे उन्हें परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। वहीं, कोरबा ब्लॉक के ग्राम अजगरबहार के हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं की छात्रा आरती, ममता, सुनीता और लक्ष्मनिया बताती हैं कि हम कॉलेज की पढ़ाई करना चाहती हैं। अखबार पढ़कर हमें पता चलता है कि आगे कौन-कौन से कोर्स हैं, कौन-से कॉलेज अच्छे हैं और देश में क्या नई योजनाएं चल रही हैं।

2026 होगा 'हॉलिडे ईयर' 107 अवकाशों की घोषणा

जारी वर्ष में छुट्टियों के लिए तरस गए थे लोग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नए साल 2026 में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए छुट्टियों की भरमार रहने वाली है। छत्तीसगढ़ शासन ने आगामी वर्ष की सार्वजनिक और ऐच्छिक छुट्टियों की सूची जारी कर दी है, जिसे अब राजपत्र में भी प्रकाशित कर दिया गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, वर्ष 2026 में कुल 107 दिनों की छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। इनमें 18 सार्वजनिक अवकाश, 28 सामान्य अवकाश और 61 ऐच्छिक अवकाश शामिल हैं।

हालांकि, इस बार कुछ प्रमुख त्यौहार रविवार को पड़ने से कर्मचारियों को उनका अतिरिक्त अवकाश लाभ नहीं मिल पाएगा। महाशिवरात्रि और दीपावली रविवार को पड़ने के कारण अलग से छुट्टी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा जारी कैलेंडर के मुताबिक, जनवरी से दिसंबर तक लगभग हर माह कर्मचारियों को आराम और त्यौहारों का मौका मिलेगा। इसमें गणतंत्र दिवस, होली, ईद, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, दशहरा, दीपावली और क्रिसमस जैसे प्रमुख त्यौहार शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शासन का यह अवकाश कैलेंडर अब सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में लागू रहेगा। वहीं, ऐच्छिक अवकाश की सुविधा पहले की तरह ही रहेगी, जिसमें कर्मचारी अपनी सुविधा अनुसार सीमित दिनों का चयन कर सकेंगे।

धमतरी में विज्ञान वाटिका का लोकार्पण

बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा जगाएगी - सांसद रूप कुमार चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में एक अभिनव पहल के रूप में धमतरी जिले के पं. रविशंकर जलाशय परियोजना गंगरेल स्थित बरूवा गार्डन में विज्ञान वाटिका (साइंस पार्क) का आज लोकार्पण किया गया। लोकसभा सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में पार्क का उद्घाटन किया। इसके साथ ही यह पार्क आम जन के लिए खुल गया है।

सांसद श्रीमती चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विज्ञान वाटिका बच्चों के लिए ज्ञानार्जन का केंद्र बनेगी और भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरणा देगी। उन्होंने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए जिला प्रशासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह पार्क शैक्षणिक भ्रमण, अध्ययन यात्राओं और व्यवहारिक शिक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यहाँ विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थी प्रत्यक्ष अनुभव से विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को सरल और मनोरंजक ढंग से समझ सकेंगे। इससे छात्रों में जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा मिलेगा। बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा जगाएगी धमतरी की विज्ञान वाटिका।

महापौर श्री रामू रोहरा ने कहा कि गंगरेल पहले से ही एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहाँ साइंस पार्क के रूप में शिक्षा और पर्यटन का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पार्क विद्यार्थियों और आम नागरिकों दोनों के लिए प्रेरणादायक स्थल बनेगा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस अवसर पर बताया कि लगभग 10,000 वर्गफीट क्षेत्र में विकसित इस साइंस पार्क में 28 आउटडोर और 40 इनडोर वैज्ञानिक उपकरण लगाए गए हैं।

स्वचालित और इंटरैक्टिव उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थी विज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि गंगरेल जलाशय प्रदेश का प्रमुख पर्यटन केंद्र है, जहाँ प्रतिवर्ष हजारों सैलानी आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा और पर्यटन को जोड़ने की दिशा में यह पहल की गई है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक रंजना साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी अंगीरा ध्रुव, उपाध्यक्ष जिला पंचायत गौकरण साहू, सभापति मोनिका देवांगन, जनप्रतिनिधि, पंच-सरपंच, जिला शिक्षा अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएँ और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्य विशेषताएँ:

- ओपन-एयर प्रदर्शनी: गुरुत्वाकर्षण, प्रकाश, ध्वनि, ऊर्जा परिवर्तन, लीवर, पुली जैसे वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित मॉडल खुले वातावरण में स्थापित।
- विद्यार्थी इन्हें छूकर, घुमाकर या प्रयोग करके विज्ञान की मूल अवधारणाओं को अनुभव कर सकते हैं।
- हरियाली से घिरे इस उद्यान में विद्यार्थी खेल-खेल में सीखने का आनंद ले सकेंगे।
- प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की प्रतिमाएँ, कृत्रिम उपग्रह का चलित मॉडल, तरंग गति, कंकाल तंत्र, अनंत पथ, ब्लैक होल प्रदर्शन, मानव नेत्र की कार्यप्रणाली और रंगों का मिश्रण जैसे विषयों पर आधारित मॉडल यहाँ स्थापित हैं।

सर्दियों में राजधानी पहुंचने लगे गर्म कपड़ों के व्यापारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में गर्म कपड़ो के व्यापारियों ने दस्तक दे दी है। तिब्बती बुलन के बैनर तले राजधानी के विभिन्न मार्गों में गर्म कपड़ों की बिक्री शुरू हो गई है। राजधानी में अब गुलाबी ठंड पड़ने लगी है।

प्रदेश में नमी की कमी होने के कारण वर्षा ब्रेकअप हो गया है। नमी के कमी के कारण अब उत्तर से ठंडी हवाएं आ रही है, जिसके कारण यहां पर सुबह लोगों को ठंड का अहसास होने लगा है, राजधानी के सुभाष स्टेडियम, यूनियन क्लब पंडरी, विवेकानंद आश्रम तथा बुढ़ापारा में इस समय गर्म कपड़ों की दुकान सज गई है। तिब्बत से हिमांचल के धर्मशला से प्रतिवर्ष यहां पर हजारों की संख्या में गर्म कपड़ों के व्यापारी आते हैं, इनके पास से स्वेटर, पुलओव्हर, शॉल, जैकेट, टोपा मोजा, ओवरकोट सहित अन्य सामग्रियां आकर्षण का केन्द्र बिन्दू बनी हुई हैं। राजधानी के विभिन्न दूकानों में ब्रांडेड कंपनियों के ब्लेकेड शॉल बिक रहे हैं। अग्हन मास शुरू हो गया है, जिसके कारण प्रति गुरूवार को माता लक्ष्मी की विशेष पूजा पाठ की जाती है, यह पर्व छत्तीसगढ़, ओड़िसा में धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं, इस अवसर पर रंग-रंग के व्यंजन तथा स्वादिष्ट भोजन बनाए जाते हैं। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में उत्तर से ठंडी और शुष्क हवाओं का आगमन प्रारंभ होने की संभावना है, जिसके कारण प्रदेश में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस के आसपास गिरावट होने की संभावना है।

सड़क सुरक्षा मितान एवं गुड सेमेरिटन का किया गया सम्मान

जगदलपुर। सड़क दुर्घटना के घायलों को मदद करने, सड़क दुर्घटना के रोकथाम और बचाव हेतु आवश्यक प्रयास करने वाले सड़क सुरक्षा मितान का सम्मान किया। सड़क दुर्घटना की रोकथाम एवं घायलों की मदद करने में पुलिस के साथ मिलकर कार्य करने वाले सड़क सुरक्षा मितान 101 एवं गुड सेमेरिटन 12 कुल 113 को आज बैग के साथ किट सामाग्री एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एएसपी योगेश देवांगन, डीएसपी यातायात संतोष जैन, यातायात प्रभारी मधुसूदन नाग, डीएसपी रेडियो बी.के दास उपस्थित थे।

स्वप्निल सिन्हा बने युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस में नई ऊर्जा और जोश का संचार करते हुए संगठन ने स्वप्निल सिन्हा को प्रदेश प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी मिलने के बाद स्वप्निल सिन्हा ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, प्रदेश प्रभारी महामंत्री गुलज़ेब अहमद, तथा वरिष्ठ युवा नेता एजाज़ ख़ान (गोल्डी) का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पुरुषों से बहुत जलन हो रही है', ट्विंकल खन्ना बोलीं- शरीर अब साथ नहीं देता

बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेखिका बनीं ट्विंकल खन्ना अक्सर अपनी हाजिरजवाबी के लिए जानी जाती हैं। इस बार भी उन्होंने अपने ताजा कॉलम में ऐसा ही कुछ लिखा है जिसने हर महिला को सोचने पर मजबूर कर दिया है। 'टाइम्स ऑफइंडिया' के लिए लिखे अपने साप्ताहिक कॉलम में ट्विंकल ने 'मेनोपॉज' यानी रजोनिवृत्ति को एक नए अंदाज में बयान किया है और साथ ही इस विषय के इर्द-गिर्द फैली सामाजिक चुप्पी पर भी तंज कसा है।

अपने लेख में ट्विंकल ने बड़े दिलचस्प शब्दों में लिखा है कि मेनोपॉज वैसा है जैसे कोई चोर आपके घर में घुसकर सिर्फ आपकी चीजें नहीं चुराता, बल्कि घर का पूरा फर्नीचर भी अपनी मर्जी से बदल देता है।' उन्होंने इसे महिलाओं की जिंदगी का ऐसा दौर बताया जो शरीर ही नहीं, सोच और व्यवहार तक को झकझोर देता है। लेखिका ट्विंकल ने इस कॉलम में बताया कि किस तरह हार्मोनल बदलाव महिलाओं की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा- 'पुरुषों के हार्मोन के साथ कभी ऐसा नहीं होता, जबकि हमारे हार्मोन्स में ऐसे उथल-पुथल मच जाती है जैसे आईआईटी के ग्रेजुएट अमेरिका की ओर पलायन करते हैं।'

महिलाओं के चुप रहने पर उठाया सवाल

ट्विंकल ने आगे लिखा कि आज भी महिलाएं अपने शरीर से जुड़ी प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर खुलकर बात करने से हिचकिचाती हैं। उन्होंने सवाल उठाया- 'क्यों महिलाओं के हर मसले पर अब भी चुप्पी छाई रहती है? क्यों ये बातें टेबू मानी जाती हैं?' उन्होंने कहा कि समाज में अब वक्त आ गया है जब महिलाओं को अपने अनुभवों को साझा करने का हक खुलकर मिलना चाहिए- चाहे वो पीरियड्स हों, मेनोपॉज हो या फिर शरीर के दूसरे बदलाव।

ट्विंकल ने कहा- 'पहले मैं और मेरी बॉडी एक ही हुआ करते थे। लेकिन अब वो थकने लगी है। अब मेरा शरीर मेरा साथ नहीं देता। उन्होंने बताया कि अब उन्हें पसीना बहाने के लिए कार्डियो की जरूरत नहीं पड़ती, गुस्सा आने के लिए कोई वजह नहीं चाहिए और सहानुभूति महसूस करने के लिए इंसान की मौजूदगी भी जरूरी नहीं।

जीवन साथी के लिए गोली खाने को तैयार हैं रश्मिका : बोलीं - विजय देवरकोंडा के लिए किसी भी हद तक जा सकती हूं

नेशनल क्रश कहलाई जाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की नई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसी दौरान रश्मिका मंदाना ने अपनी शादी को लेकर दिल छू लेने वाला बयान दिया है। हाल ही में एक इवेंट में रश्मिका ने कहा कि वो विजय देवरकोंडा से शादी करना चाहती हैं और अपने जीवनसाथी के लिए वे किसी भी हद तक जा सकती हैं, यहां तक कि गोली खाने को भी तैयार हैं।

रश्मिका ने कहा- मुझे ऐसा इंसान चाहिए जो समझने के लिए तैयार हो। कोई ऐसा जो सचमुच अच्छा हो और जो मेरे साथ या मेरे लिए जंग लड़ सके। अगर कल मेरे खिलाफ जंग हुई, तो मुझे पता है कि वो इंसान मेरे साथ लड़ेगा। मैं भी वैसा ही करूंगी। मैं उसके लिए किसी भी दिन गोली खाने को तैयार हूं।? उन्होंने यह भी बताया कि उनका आदर्श जीवनसाथी वही होगा जो जिंदगी को गहराई से समझे और हर परिस्थिति को अपने दृष्टिकोण से देखे।

उसी इवेंट में रश्मिका ने मजाकिया अंदाज में बताया कि अगर उनसे पूछा जाए कि वे किन अभिनेताओं को डेट, शादी या मार डालेंगी, तो वे शादी के लिए विजय देवरकोंडा का नाम लेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका और विजय ने हाल ही में सगाई कर ली है और दोनों 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड और साउथ की जनता में बहुत पसंद की जा रही है।

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के प्रमोशन के दौरान रश्मिका के ये शब्द सुर्खियां बटोर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रश्मिका की फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में थिएटर्स में 7 नवंबर 2025 को रिलीज हुई है।

कॉमेडी क्वीन भारती सिंह की लग्जरी घड़ी पर आया प्रियंका चोपड़ा का रिएक्शन, बोली तुम्हें तो ब्रांड एंबेसडर बनना चाहिए

कॉमेडी की क्वीन भारती सिंह इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को एन्जॉय कर रही हैं। इसी बीच वो अपने फैंस के साथ लगातार व्लॉग्स के जरिए अपनी जिंदगी को खुलकर दिखा रही हैं। हाल ही में भारती को उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने एक बेहद लग्जरी गिफ्ट की। भारती ने घड़ी को दिखाते हुए बताया कि प्रियंका के हाथ में जब से उन्होंने ये घड़ी देखी थी तभी से ही उन्हें ये चाहिए थी। अब भारती के इसी व्लॉग पर प्रियंका चोपड़ा का रिएक्शन आ गया है।

भारती सिंह को मिली लग्जरी घड़ी

भारती ने अपने व्लॉग में इस घड़ी को दिखाते हुए बड़े प्यार से कहा, 'प्रियंका चोपड़ा, मैंने भी ले ली आपकी जैसी घड़ी, सुन रही हो क्या? जिस पर हर्ष मजाक में बोले, 'क्या वो तुम्हारा व्लॉग देखती हैं?' भारती ने फैंस से रिक्वेस्ट की कि वो इस वीडियो को इतना शेयर करें कि ये प्रियंका तक पहुंच जाए। और हुआ भी कुछ ऐसा ही- व्लॉग सीधा प्रियंका चोपड़ा तक पहुंचा और उनका जवाब सोशल मीडिया पर छा गया।

प्रियंका चोपड़ा ने किया रिएक्ट

प्रियंका ने लिखा, 'मैं देख रही हूं और तुम पर ये घड़ी मुझसे भी ज्यादा खूबसूरत लग रही है। तुम तो घड़ी की कंपनी की अगली ब्रांड एंबेसडर हो, बस अभी तक उन्हें पता नहीं था।' साथ ही उन्होंने भारती और उनके परिवार को ढेर सारा प्यार भी भेजा। सोशल मीडिया पर प्रियंका के इस रिएक्शन की जमकर तारीफहो रही है। एक यूजर ने लिखा, 'कुछ नया नहीं, बस प्रियंका का वही पुराना प्यार और विनम्रता।' तो किसी ने लिखा, 'यही तो है असली स्टारडम- जब आप बड़े होकर भी दूसरों की खुशी में शामिल हों।' बता दें इस लग्जरी वॉच की कीमत लगभग 20 लाख बताई जा रही है।

भारती और हर्ष लिंबाचिया की शादी

भारती और हर्ष की जोड़ी टीवी की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक मानी जाती है। दोनों की मुलाकात 'कॉमेडी सर्कस' के सेट पर हुई थी और साल 2017 में उन्होंने शादी कर ली। आज वो अपने बेटे लक्ष यानी गोला के पैरेंट्स हैं और हाल ही में भारती ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की भी घोषणा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए लिखा- 'हम दोबारा प्रेग्नेंट हैं, गणपति बप्पा मोरया।' भारती ने कई बार कहा है कि इस बार वो बेटी चाहती हैं, ताकि उनका परिवार पूरा हो जाए। वहीं फैंस भी उनके इस नए सफर के लिए उन्हें खूब शुभकामनाएं दे रहे हैं।

अच्छे पति नहीं हैं गोविंदा', पत्नी सुनीता आहूजा का फिर चौंकाने वाला दावा बोलीं- हीरोइनों के साथ बिताते थे वक्त

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने अपने दौर में लाखों दिलों पर राज किया। 80 और 90 के दशक में उनकी कॉमिक टाइमिंग, डांस और स्टाइल का कोई जवाब नहीं था। लेकिन जितनी चमक उनकी प्रोफेशनल जिंदगी में थी, उतनी ही बार उनकी निजी जिंदगी ने सुर्खियां बटोरीं। हाल ही में उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में अपने हाल-ए-दिल को बयां किया और पति गोविंदा पर कई बड़े आरोप लगाए हैं।

सुनीता और गोविंदा की शादी साल 1987 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं- एक बेटा और एक बेटी। लंबे समय तक बॉलीवुड के सबसे प्यारे कपल के रूप में पहचाने जाने वाले इन दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें पहले भी आती रहीं, लेकिन इस बार सुनीता ने खुलकर अपने मन की बात कही। उन्होंने कहा कि हर इंसान जवानी में गलतियां करता है। उन्होंने कहा, 'मैंने भी कीं और गोविंदा ने भी। लेकिन सुनीता के मुताबिक, उम्र के एक पड़ाव के बाद जब आदमी परिवार, पत्नी और बच्चों के साथ खुशहाल जिंदगी जी सकता है, तब भी अगर वो गलतियां करता है, तो वो किसी भी तरह से शोभा नहीं देतीं।'

'पत्नी से ज्यादा वक्त हीरोइनों के साथ बिताते थे गोविंदा'

पिंकविला के साथ इंटरव्यू के दौरान सुनीता ने साफ कहा कि स्टार की पत्नी होना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत मजबूत बनना पड़ा। एक स्टार की पत्नी को दिल को पत्थर का बनाना पड़ता है।' उन्होंने बताया कि गोविंदा अक्सर अपने काम के कारण घर से ज्यादा वक्त हीरोइनों और शूटिंग सेट्स पर बिताते थे। सुनीता ने कहा कि अब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि ये सब कितना मुश्किल था- 'मुझे 38 साल लगे यह समझने में।'

'अगले जन्म में बेटा बनकर आना'

सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब सुनीता ने कहा कि वो अगले जन्म में गोविंदा को पति नहीं चाहेंगी। उन्होंने कहा- 'गोविंदा एक बहुत अच्छे बेटे हैं, अच्छे भाई हैं, लेकिन पति के रूप में नहीं। मैंने तो पहले ही कह दिया था- अगले जन्म में तुम मेरे बेटे बनकर आना, पति नहीं चाहिए। सात जन्म की बात छोड़ो, ये एक ही जन्म काफी है।'

तलाक की अफवाहों के बीच बयान

हाल के महीनों में गोविंदा और सुनीता के तलाक की अफवाहें भी तेज हो गई थीं। हालांकि किसी ने भी इस पर आधिकारिक बयान नहीं दिया था। अब सुनीता के इस इंटरव्यू के बाद एक बार फिर से इन चर्चाओं को हवा मिल गई है।

एक्ट्रेस शहनाज गिल को कनाडा में पड़े धक्के : बोलीं- लोगों ने च्यूंटियां भी काटीं

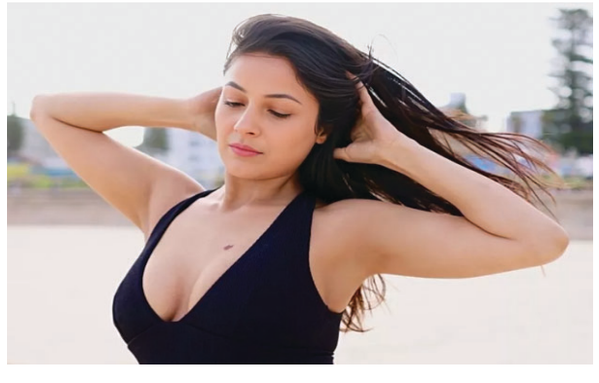

बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल अपनी नई फिल्म 'इक कुड़ी' को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म के प्रमोशन के लिए कनाडा के बैंकुवर पहुंचीं शहनाज गिल ने वहां के लोगों के साथ मिलने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया है।

इसमें वो कहती हैं कि फिल्म के लिए मुझे लोगों के धक्के खाने पड़ रहे हैं। कहती हैं- 'लोकां ने मैंनूं च्यूंटियां वडियां, धक्के मारे ते मैंने भज्ज के दूजे थिएटर च लुकणा पेया' यानी लोगों ने मुझे च्यूंटियां काटीं, धक्के दिए, जिसके चलते मुझे किसी दूसरे थिएटर में छिपना पड़ा।

वीडियो में शहनाज गिल के साथ पंजाबी एक्टर और सिंगर गिप्पी ग्रेवाल भी नजर आ रहे हैं। गिप्पी कहते हैं...शहनाज मैंने सुना कि फिल्म की ओपनिंग के पहले दिन तो लोग बहुत कम आए थे। तुम बहुत घबराई हुई थीं। अब तो लोग आ रहे हैं न। इस पर शहनाज कहती हैं, अब तो रिव्यू ठीक मिल रहा है। आपकी तरफ पार्टी बनती है। इस पर गिप्पी कहते हैं कि- ठीक है मैं तुम्हें पार्टी दे दूंगा। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री ने इंस्टा पर अपलोड किए वीडियो में बताया कि पहले दिन फिल्म को लेकर उन्हें थोड़ी चिंता थी।

कार्तिक आर्यन संग जमेगी प्रतिभा रांटा की जोड़ी? फिल्म 'नागजिला' में सान्या मल्होत्रा को किया रिप्लेस

कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म 'नागजिला' को लेकर इन दिनों काफी बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। सेट से पूजा करने का वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। अब इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस से जुड़ी खबर सामने आ रही है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स ने इस बार नई चेहरों की तलाश शुरू की है और उनकी नज़र पड़ी है उभरती हुई स्टार प्रतिभा रांटा पर। बताया जा रहा है कि पहले इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को फाइनल माना जा रहा था, लेकिन अब उनकी जगह पर प्रतिभा रांटा को चुना गया है। टीम ने इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के रूप में लेने की तैयारी लगभग तय कर ली है। हालांकि फ्लिहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रतिभा के चयन की चर्चा इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि उन्हें एक फ्रेश चेहरा और अंडररेटेड टैलेंट माना जाता है। निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा और प्रोड्यूसर करण जौहर दोनों ही चाहते हैं कि फिल्म की जोड़ी एकदम फ्रेश दिखे। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी पेयरिंग को लेकर काफी बज बन रहा है। कहा जा रहा है कि प्रतिभा के पास पहले से ही मैडॉक फिल्म्स की एक बड़ी फिल्म है जिसकी शूटिंग अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में होनी है, लेकिन अगर डेट्स में टकराव नहीं हुआ, तो वे निश्चित रूप से नागजिला का हिस्सा बन सकती हैं।

फिल्म के बारे में

अब बात करते हैं फिल्म के कॉन्सेप्ट की- 'नागजिला' अपने नाम जितनी रहस्यमयी लगती है, उतनी ही इसकी कहानी भी है। इसमें कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग के किरदार में नजर आने वाले हैं, जिसका नाम है प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद। यह किरदार पहले कभी बॉलीवुड में नहीं देखा गया है, क्योंकि यहां इंसानों के इमोशन से जुड़ी कहानियां ज्यादा बनती हैं, लेकिन करण जौहर इस बार नाग लोक की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने जा रहे हैं।

फिल्म का पहला लुक

फिल्म से कार्तिक आर्यन का पहला लुक इसी साल अप्रैल में जारी किया गया था, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। करण जौहर ने मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए मजेदार अंदाज में लिखा था ङ्क'इंसानों वाली पिक्चरें तो बहुत देख लीं, अब देखो नागों वाली पिक्चर! नागजिला ङ्क नाग लोक का पहला कांड।' इस घोषणा के बाद फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म नाग पंचमी के मौके पर यानी 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बंदूक की गूंज से फलों और फूलों की महक तक का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर में उद्यानिकी कृषि में आए चमत्कारिक बदलाव

जगदलपुर। बस्तर, जो कभी नक्सल की काली छाया और पिछड़ेपन की गहरी खाई में डूबा माना जाता था, आज कृषि के क्षेत्र में एक चमत्कारिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल इलाके में अब टमाटर और मिर्च की खेती न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है, बल्कि पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक अपनी पहुंच बना चुकी है। लेकिन असली आश्चर्य यह है कि अब बस्तर की मिट्टी में ड्रैगन फरूट की लालिमा, अमरूद की मिठास, चकोतरा की ताजगी, पपीते का रस और मिर्च की तीखापन लहलहा रही है। वे फल एवं मसाले जो कभी यहां की कल्पना से परे थे।

यह बदलाव कोई संयोग नहीं, बल्कि मेहनत, नवाचार और दूरदर्शिता का परिणाम है। वर्ष 2001-02 में सब्जियों की खेती महज 1,839 हेक्टेयर में सिमटी थी और उत्पादन केवल 18,543 मीट्रिक टन था। आज वही हरियाली 12,340 हेक्टेयर तक फैल चुकी है और 1,90,180 मीट्रिक टन की सुनहरी फसल दे रही है। फूलों की बगिया 643 हेक्टेयर से बढ़कर 14,420 हेक्टेयर तक पहुंच गई है, जिसका उत्पादन 4,457 मीट्रिक टन से उछलकर 64,712 मीट्रिक टन हो गया। जहां कभी फूलों की खेती शून्य थी, वहां आज 207 हेक्टेयर में 1,313 मीट्रिक टन सुगंध बिखर रही है। मसाले 335 हेक्टेयर से 1,189 हेक्टेयर तक फैले हैं और 9,327 मीट्रिक टन का स्वाद दे रहे हैं। औषधीय एवं सुगंधित पौधे भी शून्य से शुरू होकर 667 हेक्टेयर में 6,673 मीट्रिक टन तक पहुंचकर स्वास्थ्य और खुशबू का खजाना बन गए हैं।

इस हरित क्रांति की जड़ें आधुनिक तकनीक में गहरी पैठी हैं। जिले में 03 लाख 80 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट हाउस खड़े किए गए हैं, जिनके नीचे 160 से अधिक किसान मौसम की मार से सुरक्षित होकर फसल उगा रहे हैं। करीब 19 हजार वर्गमीटर में पॉली हाउस चमक रहे हैं, जहां उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियां और फल पनप रहे हैं। शेडनेट के अंदर ही 56 किसान एक लाख 47 हजार वर्गमीटर में हाईब्रिड बीज तैयार कर रहे हैंकृएक ऐसी आत्मनिर्भरता जो बस्तर को बीज उत्पादन का केंद्र बना रही है। जगदलपुर के आसना में 2018-19 में स्थापित प्लग टाइप वेजिटेबल सीडलिंग यूनिट रोग-मुक्त पौधे न्यूनतम कीमत पर किसानों तक पहुंचा रही है।

सिंचाई के मोर्चे पर भी क्रांति आई है। लगभग 3,536 हेक्टेयर में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम बिछाकर पानी की हर बूंद को सोना बनाया जा रहा है। ऑयल पाम योजना के तहत 735 हेक्टेयर में 499 किसानों के खेत हरे-भरे हो चुके हैं। बास्तानार विकासखंड में 58.64 हेक्टेयर में कॉफी की सुगंधित छांव फैल रही है, जबकि 20 हेक्टेयर में ड्रैगन फरूट की फसल बाजार में नई चमक ला रही है।

बस्तर की यह यात्रा आंकड़ों से कहीं आगे है। यह उन सैकड़ों किसानों की मुस्कान है, जो कभी बादलों के रहम पर जीते थे और आज तकनीक, प्रशिक्षण और सरकार की योजनाओं के सहारे अपने सपने बुन रहे हैं। माओवादियों की बंदूकें अब खामोश हैं, और खेतों में नई फसलें गुनगुना रही है। बस्तर के लोग अब आजीविका के समुचित साधनों के जरिए जीवन-यापन को बेहतर करने सहित खिलखिला रह रहे हैं।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भर बनी धनगांव की ज्योति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु के सुशासन में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लागू महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की अनेक महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक मजबूती के साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में मुंगेली ज़िले के ग्राम धनगांव (च.) की श्रीमती ज्योति दुबे, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल बन चुकी हैं। आठ सदस्यीय परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता की नई राह बनाई।

ज्योति को लगभग दो वर्ष से महतारी वंदन योजना की लाभ मिल रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली राशि को जोड़कर उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई का कार्य आरंभ की। शुरुआती दौर में उनके पास अपनी मशीन नहीं थी, जिसके कारण उन्हें दूसरों की मशीन से काम करनी पड़ती थी और सीमित मात्रा में ही ऑर्डर मिल पाते थी। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और निरंतर मेहनत जारी रखी। आज ज्योति दुबे अपनी मशीन से हर महीने लगभग 05 से 06 हजार रुपए की मासिक आमदनी अर्जित कर रही हैं। वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि अपने कार्य और आत्मविश्वास से गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रही हैं।

श्रीमती दुबे की यह सफलता कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब अवसर और संकल्प एक साथ मिलते हैं, तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर सकती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा जिला प्रशासन मुंगेली को महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्राप्त सहायता ने हम जैसी आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनने की दिशा में प्रोत्साहन मिला है।

बेल्जियम के पर्यटक धनकुल एथनिक रिजॉर्ट पहुंचे बस्तर की जनजातीय संस्कृति देख हुए अभिभूत

अतिथियों ने की छत्तीसगढ़ की मेहमान नवाजी की प्रशंसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेल्जियम से आए पर्यटकों के एक दल ने कोंडागांव स्थित धनकुल एथनिक रिजॉर्ट का भ्रमण किया। बस्तर की जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली को नजदीक से जानने पहुंचे इन पर्यटकों ने रिजॉर्ट में स्थित ट्राइबल म्यूजियम का अवलोकन कर किया।

आदिवासी कला, परंपराओं और जीवन दर्शन पर आधारित इस रिजॉर्ट की विशिष्ट थीम ने विदेशी मेहमानों को बेहद प्रभावित किया।

अतिथियों का पारंपरिक शैली में गुड़हल के फूलों की चाय से स्वागत किया गया। बस्तर के घने जंगलों, हरियाली और जनजातीय संस्कृति को देखकर उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। पर्यटकों ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि आज की दुनिया में भी प्रकृति, जनजातीय संस्कृति और पर्यावरण का इतना जीवंत संगम कहीं देखने को मिल सकता है। उन्होंने पूरे बस्तर क्षेत्र को गहराई से एक्सप्लोर करने की इच्छा जताई और बताया कि वे बार-बार यहां लौटना चाहेंगे।

अतिथियों ने स्थानीय प्रशासन, पर्यटन विभाग और राज्य सरकार की सराहना करते हुए उनकी मेहमाननवाजी और व्यवस्था के लिए धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बस्तर न केवल अपनी सुंदरता बल्कि अपनी आत्मा से भी पर्यटकों को जोड़ने की क्षमता रखता है।

भाजपा ने शुरू किया मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला गुढियारी मंडल और तात्यापारा मंडल में संपन्न हुई, जिसमें बूथ स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बीएलओ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गुढियारी मंडल की कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

वहीं तात्यापारा मंडल में रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण दिया। एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा का विशेष प्रशिक्षण भाजपा की इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एसआईआर अभियान के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को गहराई से समझाना और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कार्यकर्ताओं को

प्रशिक्षित करना था। 4 नवम्बर से प्रदेशभर में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन का कार्य शुरू हो चुका है। भाजपा ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। प्रत्येक कार्यकर्ता बने बीएलओ का सहयोगी - यशवंत जैन प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि यह अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में बीएलओ के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ सके। जहां बीएलओ नहीं पहुंच पा रहे हैं, वहां भाजपा कार्यकर्ता स्वयं पहल करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आम नागरिकों को फॉर्म-6 (नए मतदाता जोड़ने हेतु), फॉर्म-7 (संशोधन हेतु) और फॉर्म-8 (पता परिवर्तन हेतु) की प्रक्रिया की जानकारी दें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। राजेश मूणत का कांग्रेस पर हमला भ्रम फैलाने की कोशिश रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर को लेकर जनता के बीच गलत संदेश फैला रही है, जबकि यह अभियान मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए है। भाजपा कार्यकर्ताओं की भूमिका इस प्रक्रिया में निर्णायक है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि कोई फर्जी मतदाता सूची में न रहे और कोई पात्र नागरिक छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई बार पुनरीक्षण प्रक्रिया हुई है, लेकिन पहली बार इतनी गंभीरता और व्यापक स्तर पर इसे लागू किया जा रहा है।

यह अभियान लोकतंत्र और राष्ट्र को सशक्त बनाने वाला है। कांग्रेस की चुप्पी बताती है कि वे आज भी जनता को भ्रमित करने की राजनीति में उलझे हैं, उन्होंने जोड़ा। भाजपा का संकल्प — हर घर तक पहुंचेगा एसआईआर अभियान भाजपा ने संकल्प लिया कि एसआईआर अभियान को बूथ स्तर तक पूरी मजबूती से चलाया जाएगा। कार्यकर्ता प्रत्येक परिवार तक पहुंचेंगे, मतदाता सूची का मिलान करेंगे और बीएलओ के साथ समन्वय में काम करेंगे, ताकि मतदाता सूची शुद्ध, सटीक और पारदर्शी बन सके।

मोवा अंडरब्रिज बायपास बनने से स्टेशन की दूरी होगी कम

रायपुर। मोवा ओव्हरब्रिज में सुबह शाम लग रहे जाम से संबंधित क्षेत्र मोवा सड्डू विधानसभा एवं अंबूजा माल के आसपास अनेक कालोनियां बन गई है जिसके चलते कामकाजी लोगों के साथ आने जाने वाले लोगों की संख्या भी रायपुर एवं रायपुर से बाहर लगातार बढ़ते जा रही है। रेलवे स्टेशन जाने के लिए जिन यात्रियों को शार्टकट मार्ग की जानकारी नहीं है उन्हें लंबे समय तक रेलवे स्टेशन पहुंचने में जाम की वजह से समय लगता है जिसके चलते आए दिन कई यात्रियों की ट्रेनें छूटने की जानकारी भी मिली है। वहीं अवंतिबाई लोधी चौक से दोनों ओर सर्विस रोड से जुड़ा अंडरब्रिज जहां लोगों की आवाजाही सुगम बना है वहीं मोवा की ओर खुलने वाला अंडरब्रिज का मार्ग कांपा देवेंद्र नगर की ओर जाता है। इस मार्ग के आसपास काफी सरकारी भूमि खाली है।

हर घर तक पहुंचेगा विकास का लाभः महेश कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

1.99 करोड़ की लागत से बने फूलबगड़ी-दामापारा मार्ग पर माइनर ब्रिज का सांसद ने किया लोकार्पण

सुकमा। बस्तर सांसद महेश कश्यप शनिवार को एकदिवसीय प्रवास पर सुकमा पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सुकमा विकासखंड के ग्राम पंचायत फूलबगड़ी में 1 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत से निर्मित माइनर ब्रिज का लोकार्पण किया। यह पुल फूलबगड़ी से दामापारा मार्ग को जोड़ता है, जिससे अब ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए सांसद कश्यप ने कहा हमारी सरकार बनने के बाद विकास की रफ्तार तेज हुई है। पक्की सड़कें, पुल-पुलिया, बिजली और हर घर जल जैसी योजनाओं ने आमजन के जीवन को सुगम बनाया है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में खुशहाली आई है और यह हमारी सरकार की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में किसानों के लिए खुशखबरी है 15 नवंबर से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। यही हमारी 'विकास की सरकार' और मोदी की गारंटी है। सांसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास कार्यों की गति आने वाले समय में और तेज होगी तथा बस्तर अंचल के प्रत्येक ग्राम तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प सरकार द्वारा पूर्ण किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सुकमा हुंगाराम मरकाम, उपाध्यक्ष रीना पेद्दी, जनपद अध्यक्ष कोंटा कुसुमलता कोवासी, जिला पंचायत सदस्य माड़े बारसे, पार्वती प्रधानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री ने सर्वमंगला मंदिर के समीप हसदेव नदी में साढ़े 48 लाख रुपये के घाट निर्माण की रखी आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 62 स्थित सर्वमंगला मंदिर के समीप हसदेव नदी में 48 लाख 53 हजार रूपये की लागत से निर्मित होने जा रहे घाट व पहुंच मार्ग निर्माण की आज आधारशिला रखी, उक्त महत्वपूर्ण स्थल पर नागरिकों की घाट निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की पहल पर पूरी हुई, तो वहीं उक्त कार्य सहित वार्ड क्र. 62 व 65 में कुल साढ़े 76 लाख रूपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री देवांगन के द्वारा किया गया।

नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगलानगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 62 में सर्वमंगला मंदिर के समीप हसदेव नदी पर घाट निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने साढ़े 48 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने जा रहे उक्त घाट व पहुंच मार्ग निर्माण की आधारशिला रखी, कार्यक्रम में महापौर संजूदेवी राजपूत के साथ ही नमामि सेवा समिति के प्रमुखजन चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव, रणधीर पाण्डेय, मनोज लहरे, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भानुमति जायसवाल, आरती लखन साहू, रामाधार पटेल, प्रेम साहू आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने घाट निर्माण कार्य स्थल का जायजा लिया तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुए समयसीमा में घाट का निर्माण पूरा किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर कहा कि विभिन्न धार्मिक अवसरों व त्यौहारों जैसे छठ पर्व, दीपावली, देव दीपावली, महाशिवरात्रि, कनकेश्वर धाम यात्रा आदि अवसरों पर श्रद्धालुओं व आमनागरिकों को पूजा पाठ, स्नान, दान व जल एकत्रित करने में यहाँ पर असुविधा होती थी, नागरिकों द्वारा लंबे समय से घाट निर्माण की मांग की जा रही थी, यह मेरा सौभाग्य है कि आज मेरे हाथों घाट निर्माण के कार्य का शुभारंभ हो रहा है तथा देवतुल्य जनताजनार्दन की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है।

सुशासन व पूर्ण विकसित छत्तीसगढ़ बनाने पर हो रहा तेजी से कार्य - उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने व छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, उन्होने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसा सशक्त नेतृत्व हमारे देश को मिला है, जिनके मार्गदर्शन में सम्पूर्ण देश के साथ-साथ हमारा छत्तीसगढ़ भी विकास की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है, उन्होने कहा कि विगत 11 वर्षो के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व पटल पर भारत को जो प्रतिष्ठा व सम्मान दिलाया है, वह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

श्री देवांगन ने अपने महापौर कार्यकाल में बहाई थी विकास की गंगा - इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन जब नगर पालिक निगम केारबा के महापौर थे, तो उन्होने निगम के सभी वार्डो, बस्तियों, पारों, मोहल्लों में विकास की गंगा बहाई थी तथा कोरबा के विकास पुरूष के रूप में उनकी पहचान बनी थी, जो आज भी कायम है, हम सब देवांगन के महापौर के कार्यकाल को आज भी याद करते हैं। उन्होने कहा कि विगत कुछ वर्षो में क्षेत्र विकास में पिछड़ गया था किन्तु अब उद्योग मंत्री देवांगन के मार्गदर्शन में पुनः तेजी से विकास हो रहा है, मैं विश्वास दिलाती हूँ कि क्षेत्र की जनता ने जो भरोसा हम पर जताया है, उस भरोसे को कभी टूटने नहीं दिया जाएगा।

साढ़े 76 लाख के विकास कार्यो का शुभारंभ - उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने वार्ड क्र. 62 अंतर्गत सर्वमंगला मंदिर के समीप हसेदव नदी में साढ़े 48 लाख रूपये की लागत से बनने जा रहे घाट व पहुंच मार्ग निर्माण के साथ-साथ वार्ड क्र. 62 के ही दुरपा स्थित माध्यमिक शाला में 17 लाख रूपये की लागत से नवीन भवन के निर्माण कार्य एवं वार्ड क्र. 65 आनंदनगर में दिलीप साहू के घर से जीवन साहू के घर के पास एवं पोतन मन्नेवार गली तक 11 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

इस अवसर पर नमामि सेवा समिति के प्रमुखजन चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव, रणधीर पाण्डेय, मनोज लहरे, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भानुमति जायसवाल, आरती लखन साहू, रामाधार पटेल, प्रेम साहू, भाजपा जिलाउपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, सहायक अभियंता रमेश सूर्यवंशी, प्रमोद जगत, गौरी शंकर साहू, संतोष साहू आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शादी के लिए घर जा रहे युवक से लूटपाट, मारपीट भी की

बाराद्वार। रेलवे स्टेशन से पैदल घर लौट रहे प्लांट ऑपरेटर को शुक्रवार की रात दो युवक बाइक पर बैठाकर पलाडीखुर्द ले गए। वहां उससे मारपीट कर लूटपाट कर फरार हो गए। रिपोर्ट पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर-6 में रहने वाला अनिल कुमार नामदेव पिता गणेश प्रसाद (30) काटाभांजी के प्लांट में ऑपरेटर है। 23 नवंबर को उसकी शादी है, जिसके लिए उसने छुट्टी ली थी। 7 नवंबर की रात वह जनशताब्दी ट्रेन से बाराद्वार पहुंचा और पैदल घर जा रहा था। मेन नहर के पास बाइक सवार दो युवकों ने घर छोड़ने की बात कही। अनिल के मना करने के बाद भी युवकों ने उसे जबरन बाइक पर बैठा लिया। दोनों युवक अनिल को ग्राम पलाडीखुर्द के पास ले गए। कुछ देर में बाइक पर एक और युवक पहुंचा। तीनों ने अनिल का मोबाईल, लैपटॉप, कपड़े, 11 सौ रुपए लूट लिए। वहीं एप से 10 हजार रुपए खाते में ट्रांसफर कराए। इसके बाद हाथ-मुक्के, जूते व बेल्ट से मारपीट की। घायल अनिल को एकलव्य स्कूल के बाउंड्रीवाल के अंदर फेंक कर फरार हो गए। वह बस्ती पहुंचा, तो ग्रामीणों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

शादी का वादा कर किया दुष्कर्म गर्भवती होने पर छोड़ा, गिरफ्तार

जशपुर। शादी का झांसा देकर एक युवती से अनाचार करने और उसके गर्भवती होने के बाद शादी से इनकार करने के मामले में आरोपी वीरेंद्र विश्वकर्मा (21 वर्ष) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ थाना बगीचा में भारतीय दंड संहिता

की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ थाना क्षेत्र की 20 वर्षीय पीड़िता मई 2025 में बगीचा क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदार की शादी में आई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी से हुई। बातचीत के दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर लगातार 7 दिनों तक पीड़िता के साथ अनाचार किया। इस घटना के परिणामस्वरूप पीड़िता 4-5 माह की गर्भवती हो गई। जब पीड़िता ने शादी की मांग की, तो आरोपी ने इनकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर धर्मजयगढ़ पुलिस ने प्रारंभिक जांच कर, घटनास्थल बगीचा क्षेत्र होने के कारण, मामला अग्रिम विवेचना हेतु थाना बगीचा को सौंपा। थाना बगीचा ने मामला दर्ज कर जांच शुरू व आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा।

पब्लिक लिखेगी पुलिस का रिपोर्ट कार्ड, दुर्ग से होगी शुरूआत

आईजी रामगोपाल गर्ग ने किया क्यूआर कोड लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आपके शहर में पुलिस कैसा काम कर रही है यह बताने का मौका आम लोगों को मिलने जा रहा है। दुर्ग रेंज के जिलों में पुलिस के कामकाज का फीडबैक अब पब्लिक घर बैठे दे सकेगी। लोगों को लगता है पुलिस बेहतर कार्य कर रही है तो वे अपना पॉजिटिव फीडबैक देगी और पुलिस का काम ठीक नहीं है तो यह भी बता सकेंगे। दुर्ग रेंज पुलिस द्वारा आम नागरिकों की सुविधा और पुलिसिंग सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक नई पहल 'अनुभव' प्रारंभ की गई है। इसका उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच पारदर्शिता, विश्वास एवं संवाद को और सशक्त बनाना है। शनिवार को पुलिस कार्यालय बालोद में इसके लिए क्यू कोड लॉन्च किया गया।सरगुजा रेंज यह व्यवस्था पूर्व में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के द्वारा इस पहल को पुलिस कार्यालय बालोद के सभागार कक्ष से शुरू की गई। इस व्यवस्था के तहत अब दुर्ग रेंज के सभी थाना एवं चौकियों में आने वाले नागरिक अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। इसके लिए प्रत्येक थाना व चौकी में एक क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया है, जिसे स्कैन कर नागरिक ऑनलाइन फीडबैक फॉर्म भर सकेंगे। इस फॉर्म में कुछ सरल प्रश्न होंगे जिनके उत्तर देकर नागरिक अपने अनुभव और सुझाव साझा कर सकते हैं। नाम व मोबाइल नंबर वैकल्पिक है, जिससे नागरिक बिना किसी झिझक के अपनी राय दे सकें। सभी फीडबैक सुरक्षित रखे जाएंगे तथा पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

इस मौके पर बालोद पुलिस से सीएसपी डॉ. चित्रा वर्मा, सीएसपी बोनीफास एक्का, डीएसपी माया शर्मा एवं थाना एवं चौकी प्रभारी सहित आईजी कार्यालय से उप निरीक्षक डॉ. संकल्प राय, आरक्षक अभिषेक यादव एवं प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

जनता के अनुभव पुलिसिंग का वास्तविक आईना : आईजी गर्ग

पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने कहा कि जनता के अनुभव ही हमारी पुलिसिंग का वास्तविक आईना हैं। 'अनुभव' पहल से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि जनता हमारी सेवाओं से कितनी संतुष्ट है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य है – पारदर्शी, संवेदनशील पुलिसिंग को और सशक्त बनाना। उन्होने अपील की कि जनहित की भावना से सभी अपना constructive feedback इस QR code के माध्यम से दें। दुर्ग रेंज में इसे और प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिसिंग की बेहतरी की लिए सार्थक कदम : एसपी योगेश पटेल बालोद पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने इस क्यू कोड को डिजाइन किया है और उन्होने इसे पुलिस की जनता को प्रदाय की जाने वाले सेवाओं में बेहतरी की लिए सार्थक कदम बताया। दुर्ग रेंज पुलिस लगातार जनता के साथ संवाद बढ़ाने, उनकी अपेक्षाओं को समझने और पुलिस सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

हत्या के आरोप में 255 दिन जेल में रहा अफसर आठ महीने बाद पता चला हत्या नहीं हादसा था

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के भिलाई की एक निजी सीमेंट फैक्ट्री में मैकेनिकल इंजीनियर और सीएचपी इंचार्ज संजय तिवारी को पुलिस ने फैक्ट्री के कैप्टिव पावर प्लांट के एचओडी आर. बालाराजू की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

255 दिन जेल में रहने के बाद कोर्ट ने पाया कि यह हत्या नहीं बल्कि एक हादसा था। कोर्ट के माना है कि अभियोजन हत्या से संबंधित कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका। घटना आरोपी ने किया है ऐसा प्रमाणित नहीं हुआ। अभियोजन युक्तियुक्त संदेह से परे अपना मामला साबित करने में असफल रहा। इसलिए अभियुक्त संजय तिवारी को संदेह का लाभ देते हुए धारा 302 भादवि के आरोप से दोषमुक्त कर दिया गया है।

संजय तिवारी 4 जून 2024 से 13 फरवरी 2025 तक जेल में रहे। जब रिहा हुए, तब तक सब कुछ बदल चुका था। पत्नी ने साथ छोड़ दिया, समाज ने ठुकरा दिया और नौकरी चली गई। जानिए क्या-क्या हुआ

3 जून 2024 को आर. बाला राजू की मौत हुई। जिसे पुलिस ने हत्या मानकर विवेचना शुरू की। पुलिस ने इसे हत्या मानते हुए सीमेंट फैक्ट्री में सहकर्मी संजय तिवारी को आरोपी बनाया। 24 सितंबर 2024 से सुनवाई शुरू हुई। आरोप-अपराध का विवरण कोर्ट में रखा गया। 14 अक्टूबर 2024 को कोर्ट के समक्ष साक्ष्य प्रारंभ किए गए। 13 फरवरी 2025 को सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित किया। 13 फरवरी 2025 को ही कोर्ट ने संजय तिवारी को इस मामले में दोष मुक्त कर बरी करने का निर्णय दे दिया। 4 जून 2024 से लेकर 13 फरवरी 2025 तक, कुल 255 दिन संजय तिवारी जेल में रहे।

कोर्ट में प्रतिपरीक्षण में विवेचक और तत्कालीन जामुल थाना प्रभारी केशव कोसले ने प्रतिपरीक्षण की कंडिका 19 में यह स्वीकार किया कि एफआईआर

करने से पहले और सभी व्यक्तियों द्वारा यह बताया गया था कि मृतक आर. बाल राजू की मृत्यु गिर जाने की वजह से हुई है। इस प्रकार प्रकरण के विवेचक को मृतक आर. बालराजू की मृत्यु गिर जाने की वजह से दुर्घटना के स्वरूप की होने का साक्ष्य प्राप्त होना दर्शित है।

इस मामले में प्रति परिक्षण की कंडिका-15 में डॉक्टर ने यह स्वीकार किया है कि मृत्यु का कारण सिर में चोट लगने की वजह और ज्यादा खून का बहना एवं हार्ट अटैक से होना प्रतीत होता है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मृतक को जो अब्रेजन की चोटें आई थी वह गिरने की वजह से आ सकती है।

संजय तिवारी ने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट में अपने पक्ष में सारे सबूत कोर्ट को दिए। इसमें उन्होंने कोर्ट को कॉल डिटेल दिए। यह कॉल डिटेल हादसे के वक्त के दौरान की थी। घटना के दिन मृतक रात 9.26 बजे तक फोन पर बात कर रहे थे। उसके बाद 9.30 बजे चक्कर खाकर गिर गए। प्लांट के कर्मचारियों की मदद से 9.46 बजे उन्हें अस्पताल में ले गए। इसी दौरान संजय तिवारी का कॉल डिटेल में भी 9.27 से लेकर 9.38 तक फोन पर बात कर रहे थे। इसके बाद संजय 9.47 बजे घटना स्थल पर पहुंचे। इस पूरे मामले में पुलिस की जांच में कहीं भी यह साबित नहीं हो सका कि यह हत्या थी और संजय ने इस वारदात को अंजाम दिया था।

इस वजह से कोर्ट ने इस मामले में आरोपी बनाए गए संजय तिवारी को निर्दोष करार दिया।

कैप्सूल वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत, दूसरा घायल, जांजगीर-चांपा में ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के नरियरा गांव में 9 नवंबर की सुबह एक तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। यह घटना मुलमुला थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, नरियरा निवासी अतुल साहू अपने एक साथी के साथ बाइक पर जा रहे थे।

इसी दौरान तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन ने लापरवाही से चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में अतुल साहू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके साथी को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों की मदद से बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने

जांजगीर से बिलासपुर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक कलेक्टर, एसपी या डीएसपी जैसे बड़े अधिकारी मौके पर नहीं आते, तब तक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं भेजा जाएगा। वे लगातार हो रहे तेज रफ्तार हादसों पर प्रशासन की निष्क्रियता से भी नाराज हैं। मुलमुला पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रही है ताकि चक्का जाम समाप्त हो सके और यातायात बहाल हो।

बसों की जांच में नहीं मिले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिला यातायात पुलिस ने 8 नवंबर को जिलेभर में स्कूली बसों और लंबी दूरी की लग्जरी बसों की जांच की। इस जांच में बसों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। ज्यादातर बसों में न तो इमरजेंसी गेट मिले और न ही फायर सेफ्टी इक्विपमेंट। अलग-अलग टीमों ने जिले के प्रमुख मार्गों और बस स्टैंडों पर पहुंचकर वाहनों के सुरक्षा मानकों, दस्तावेजों और व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। इस दौरान ज्यादातर बसों में नियमों का उल्लंघन मिला। जिसके बाद पुलिस ने ड्राइवरों के साथ-साथ स्कूल संचालकों को भी बसों की सुरक्षा बेहतर करने के निर्देश दिए।

जांच के दौरान बसों में फिटनेस सर्टिफिकेट, वैध परमिट, फायर सेफ्टी उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास द्वार (Exit Gate) और चालक की अनुशासनात्मक स्थिति की विस्तार से जांच की गई। अभियान के अंतर्गत कुल 35 बसों के चालान काटे गए और उनसे 90,000 रुपए जुर्माना वसूला गया।

यह कार्रवाई मुख्यत: उन बसों पर हुई जिनमें आवश्यक दस्तावेज अधूरे थे,फायर सेफ्टी उपकरण नहीं थे या ओवरलोडिंग की गई थी। जांच के दौरान स्कूली बसों में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं मिले। इस पर पुलिस ने ड्राइवरों के साथ-साथ स्कूल संचालकों को भी बसों की सुरक्षा बेहतर करने के निर्देश दिए।

इसमें महिला केयर टेकर रखने की भी सलाह दी गई। बस ड्राइवरों को नशे की हालत में वाहन न चलाने की भी चेतावनी दी गई।

डीजल चोरी के शक में दो मजदूरों से मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। रामानुजगंज के ग्राम भिलाईखुर्द स्थित लालू के केसर प्लांट में डीजल चोरी के शक में दो मजदूरों से मारपीट करने के मामले में चौकी बरियों पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी बिनोद सारथी पिता बलदेव सारथी (25 वर्ष) निवासी ग्राम बधिमा और वरुण शर्मा पिता बाबूलाल शर्मा (30 वर्ष) निवासी ग्राम भिलाईखुर्द ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 4 नवंबर की सुबह करीब 10 से

11 बजे के बीच वे दोनों केसर प्लांट में काम कर रहे थे। इसी दौरान सिंघल क्रेशर के मुंशी संजय प्रधान अपने साथियों डॉक्टर, रविशंकर, जे.पी. यादव, मोनू दास, रामलाल और दीपक अग्रवाल के साथ वहां पहुंचे और डीजल चोरी का शक जताते हुए दोनों मजदूरों के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। घटना की रिपोर्ट प्रार्थियों ने 7 नवंबर को चौकी बरियों में दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रार्थियों व गवाहों के कथन दर्ज किए तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया, जिसमें आरोपियों द्वारा मारपीट की पुष्टि हुई।

किसी भी प्रकार की जातिगत टिप्पणी या हिंसक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

देर रात पत्थर से सिर कुचलकर हत्या, 6 संदेही हिरासत में

भिलाई। दुर्ग में देर रात फिर एक शख्स की हत्या हो गई। हत्या की इस वारदात को पत्थर से सिर कुचलकर अंजाम दिया गया है। मृतक ढीमरा पारा दुर्ग निवासी संतोष आचार्य उर्फ नानू पिता व्यंकट सोनी (40) बताया जा रहा है। उसकी लाश तड़के तीन बजे के आसपास सदर बाजार सराफा लाइन में मिली। मृतक के खिलाफ शुक्रवार दोपहर में मारपीट करने के आरोप में दुर्ग कोतवाली थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामले में छह संदेहियों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार तड़के दुर्ग के सदर बाजार सराफा लाइन में एक रक्तरंजित लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान संतोष आचार्य उर्फ नानू के रूप में हुई।

मारपीट को लेकर मृतक के खिलाफ 7 नवंबर की दोपहर में हुआ था एफआईआर, उसके सिर को पत्थर से कुचला गया है। ज्यादा खून बहने और चोट गंभीर होना मौत का कारण माना जा रहा है। मृतक संतोष आचार्य का शुक्रवार दोपहर में ब्राम्हण पारा सदर बाजार वार्ड नं 32 दुर्ग निवासी प्रथम सोनी से विवाद हुआ था। प्रथम सोनी ने कोतवाली थाने में दर्ज एफआईआर में बताया है कि 7 नवंबर को दोपहर 1.30 जब वह गांधी चौक राम मंदिर के पास अपने दोस्तों नितेश सोनी और मयंक सोनी के साथ खड़ा था तो संतोष आचार्य ने शराब के नशे में अश्लील गालियां दी। मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए गाल पर थप्पड़ रसीद कर दिया।

इधर देर रात संतोष आचार्य उर्फ नानू की हत्या हो गई। मामले में छह संदेहियों को हिरासत में लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने की खबर है। फिलहाल पुलिस ने संदेहियों के नाम का खुलासा नहीं किया है।

नक्सल अभियान की बड़ी सफलता,दो नक्सली विस्फोटक सामग्री सहित गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। थाना चिंतलनार क्षेत्र में पुलिस ने माओवादी संगठन से जुड़े दो सक्रिय नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार नक्सलियों में मिलिशिया कमांडर ताती बंडी पर तीन लाख रुपये और डीएकेएमएस अध्यक्ष पदाम हड़मा पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित था। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नक्सली गोमगुड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से आईईडी प्लांट करने की तैयारी में थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर डीआरजी, जिला बल और 203 कोबरा बटालियन की संयुक्त

टीम ने ग्राम भीमापुरम जंगल के पास सर्चिंग अभियान चलाया और दोनों को धर-दबोचा।

पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से नौ नग नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर,पांच जिलेटिन रॉड, लगभग 45 फीट कोर्डेक्स वायर, 55 मीटर बिजली वायर और 14 फीट फ्यूज वायर बरामद की गई है। पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

पेंशन अदालत का आयोजन - दिनांक 15.12.2025 को

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों / अशक्तता पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में दिनांक **15.12.2025** को प्रातः **11:00** बजे पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा।

यदि आप को सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाले बकाया निपटान (पेंशन ऑफ सेटलमेंट ड्यूज़) से सम्बंधित अथवा पेंशन भुगतान संबंधी कोई शिकायत है, तो आप अपना अभ्यावेदन दो प्रतियों में दिनांक **20.11.2025** तक प्रस्तुत करें। न्यायालय में लंबित प्रकरण, नियुक्ति तथा अन्य नीतिगत मामलों को पेंशन अदालत में शामिल नहीं किया जाएगा। सेवानिवृत्त कर्मचारी जिन्हे इस संबंध में अपने आवेदन प्रस्तुत करने हैं, वे अपने आवेदन पत्र वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर, न्यू.डी.आर.एम. ऑफिस, खमतराई, रायपुर (छ.ग.) 492008 के कार्यालय में दिनांक **20.11.2025** तक निम्नलिखित प्रारुप में जमा कर दें।

आवेदन का प्रारुप

पी.पी.ओ. क्रमांक :	
सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम :	
पदनाम :	
मंडल / युनिट का नाम / अंतिम कार्यस्थल :	
विभाग :	
मंडल / कार्यालय :	
अंतिम वेतन :	
सेवानिवृत्ति / अशक्तता / मृत्यु तिथि	
मोबाइल / टेलीफोन नंबर :	
पत्राचार के लिए पता :	
सेवानिवृत्त / अशक्तता / पारिवारिक पेंशनर के शिकायत का विस्तृत विवरण :	

(नोट: *पी.पी.ओ. एवं सेवा प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करें।*) आवेदक के हस्ताक्षर

PR/R/SR.DPO/MS/208 South East Central Railway @secrail

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

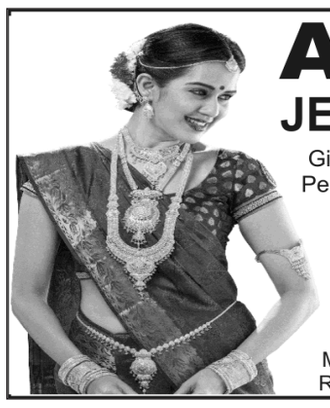
Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना बन रही लोगों के लिए संजीवनी

शासकीय मदद से गणेशराम का किडनी प्रत्यारोपण सफल, मुख्यमंत्री से मिल कर परिवार ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना अब उन परिवारों के लिए संजीवनी बन चुकी है, जिनके लिए गंभीर बीमारियों का खर्च उठाना संभव नहीं होता। इस योजना ने एक बार फिर जशपुर जिले के बगीचा निवासी 48 वर्षीय किसान गणेशराम यादव को नई ज़िंदगी दी है। गणेशराम की दोनों किडनियाँ खराब हो चुकी थीं। कई महीनों से डायलिसिस पर चल रहे गणेशराम की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी।

डॉक्टरों ने उन्हें किडनी प्रत्यारोपण की सलाह तो दी, लेकिन उपचार का खर्च सुनकर परिवार की उम्मीदें टूटने लगीं। एक किसान परिवार के लिए इतना बड़ा खर्च उठाना असंभव था – परिवार असहाय खड़ा था, और हर दिन जीवन की आस धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही थी।

इसी कठिन समय में उन्हें कुनकुरी सदन के माध्यम से मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की जानकारी मिली। परिवार ने तत्परता से पहल की, आवश्यक दस्तावेज़ तैयार किए गए, और बिना किसी जटिल प्रक्रिया के योजना के अंतर्गत उनका पूरा उपचार निःशुल्क स्वीकृत हो गया। गणेशराम को रायपुर स्थित एम्स अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में भर्ती कराया गया। उनके उपचार के लिए उनकी 64 वर्षीय माता सरस्वती यादव ने अपने बेटे के लिए निःसंकोच किडनी दान कर दी — इस प्रकार एक माँ ने अपने बेटे को दूसरी बार जीवनदान दिया। किडनी प्रत्यारोपण सफल रहा, और गणेशराम अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। घर लौटने के बाद उनका परिवार पुनः खुशियों से भर उठा है।

स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के पश्चात् गणेशराम अपने परिवार के साथ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित निवास में मिले। उनकी आँखों में कृतज्ञता और भावनाओं की नमी थी। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए गणेशराम ने कहा कि अगर यह योजना नहीं होती, तो शायद मैं आज ज़िंदा नहीं होता। सरकार ने हमारी जीवन की टूटी हुई आस को फिर से लौटा दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गणेशराम और उनके परिवार से आत्मीय मुलाकात करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि, प्रदेश का प्रत्येक नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पाने का अधिकारी है। हमारी सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित न रहे — यही सच्चे अर्थों में जनसेवा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मानवीयता और करुणा को नया आयाम दे रही है।

मुख्यमंत्री से इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लवली शर्मा ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ की कुलपति डॉ. लवली शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय को डॉ. शर्मा ने इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा बनाई पेंटिंग भेंट की और विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में चर्चा की।

मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की।

उप राज्यपाल सिन्हा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को माता वैष्णो देवी का पवित्र प्रसाद भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने उपराज्यपाल सिन्हा का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मेश्राम का घर सौर ऊर्जा से हुआ रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अब जन-जन तक पहुँचने लगी है। शहर के सिविल लाइन निवासी भानुप्रताप मेश्राम ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सोलर यूनिट स्थापित की है।

इस योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 रूपए एवं राज्य सरकार से 30,000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सौर संयंत्र की लागत में काफी कमी आई। केवल तीन माह में ही मेश्राम ने 1078 यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया, जिसमें से 612 यूनिट स्वयं उपभोग में लाई गई और 466 यूनिट बिजली विभाग को विक्रय की गई।

उन्होंने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली। योजना से मिले लाभ पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कृ इस योजना से मेरे घर की बिजली का बिल लगभग शून्य हो गया है और अतिरिक्त उत्पादन से आय भी हो रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि इस योजना का लाभ लें और प्रधानमंत्री जी के एक करोड़ घरों में सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य में सहभागी बनें।

गौरतलब है कि सोलर यूनिट लगने से पहले श्री मेश्राम का मासिक बिजली बिल औसतन 300 रूपए आता था, जो अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। साथ ही अतिरिक्त सौर ऊर्जा बेचकर उन्हें आय भी प्राप्त हो रही है।

इस तरह मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की बदौलत खैरागढ़ के नागरिक अब न सिर्फ ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि हरित ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान दे रहे हैं।

विष्णुदेव साय सरकार की संवेदनशील पहल से ग्रामीण महिलाओं को मिला सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया आधार

प्रधानमंत्री आवास योजना ने सुमित्रा कोर्राम के पक्के घर का सपना किया पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने पेण्ड्रा जनपद की ग्राम पंचायत दमदम की सुमित्रा कोर्राम जैसी कई गरीब महिलाओं के जीवन में स्थायी बदलाव की कहानी लिखी है। कच्चे घर में रहने से लेकर पक्के आशियाने तक का यह सफर विष्णुदेव साय सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का सशक्त उदाहरण बन गया है।

सुमित्रा पहले मिट्टी के घर में रहती थीं, जहां बारिश और ठंड के मौसम में उनका परिवार असुरक्षित महसूस करता था। प्रधानमंत्री आवास योजना से उन्हें पक्का घर बनाने के लिए आर्थिक सहयोग मिला। पंचायत सचिव और ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से घर का निर्माण तय समय में पूरा हुआ। इस दौरान सुमित्रा ने स्वयं मेहनत मजदूरी कर निर्माण में भागीदारी निभाई। मनरेगा के तहत 90 दिन की मजदूरी के रूप में अतिरिक्त आय भी प्राप्त हुई, जिससे परिवार को आर्थिक संबल मिला।

सुमित्रा कहती हैं, अब हमारे पास मजबूत छत है, घर में सुरक्षा और सम्मान दोनों हैं। यह सिर्फ एक घर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। अब उनका परिवार मौसम की किसी भी मार से सुरक्षित है और बच्चों के पढ़ने-लिखने के लिए भी बेहतर माहौल मिला है।

विष्णुदेव साय सरकार की प्राथमिकता ग्रामीणों के जीवनस्तर में सुधार लाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे कार्यक्रमों ने छत्तीसगढ़ के हजारों परिवारों को अपना घर देने का सपना साकार किया है। राज्य में आवास निर्माण कार्यों को गति देने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे पात्र हितग्राहियों को बिना देरी के लाभ मिल सके।

इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण गरीबों को पक्का घर निर्माण के लिए वित्तीय सहायता, निर्माण सामग्री और तकनीकी सहयोग, मनरेगा के तहत मजदूरी एवं रोजगार के अवसर, गाँव के स्तर पर पंचायतों का सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

विष्णुदेव साय सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हर गरीब के सिर पर मजबूत छत का लक्ष्य नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। सुमित्रा कोर्राम जैसी महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि यह योजना केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के ग्रामीण स्वप्न को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम है।

जशपुर जम्बूरीः प्रकृति, संस्कृति और साहसिक रोमांच का अनोखा संगम

जशपुर में हो रहा है चार दिन का उत्सव, जहां पर्यटक प्राकृतिक वादियों जनजातीय संस्कृति और एडवेंचर खेलों का उठा रहे हैं आनंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर के हरे-भरे जंगलों और सुरम्य वादियों में आयोजित जशपुर जम्बूरी 2025 पर्यटन का ऐसा महाकुंभ है, जो प्रकृति प्रेमियों और रोमांच तलाशने वालों के लिए यादगार अनुभव लेकर आया है। 6 से 9 नवंबर तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में देशभर से आए 120 से अधिक प्रतिभागियों ने नीमगांव में पक्षी दर्शन से अपनी यात्रा की शुरुआत की, जहां शांत वातावरण ने सभी को प्रकृति के करीब ला दिया।

दो समूहों में बंटे पर्यटकों ने मयाली में कयाकिंग, एटीवी राइड, एक्वा साइकिलिंग और पेंटबॉल जैसे साहसिक खेलों का आनंद लिया, जबकि दूसरे समूह ने देशदेखा में बोल्डरिंग, रॉक क्लाइंबिंग, जुमारिंग और ज़िपलाइनिंग जैसी चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में भाग लिया।

मधेश्वर पहाड़ के प्राकृतिक शिवलिंग की दिव्यता के बीच आयोजित इस उत्सव में स्थानीय व्यंजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी प्रतिभागियों के बीच अपनी छाप छोड़ी। शाम को सरना एथनिक रिजॉर्ट में पारंपरिक नृत्य और लोकगीतों ने जशपुर की जीवंत जनजातीय संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया।

आखिरी सत्र में पर्यटक चमकीले तारों के नीचे कैम्पफायर के इर्द-गिर्द एकजुट हुए, जहां हंसी-मज़ाक और अनुभवों के आदान-प्रदान से यह दिन प्रतिभागियों के लिए एक यादगार बन गया। यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी प्रस्तुत कर रहा है।

जिससे जशपुर राज्य के पर्यटन मानचित्र पर अपनी खास पहचान बना रहा है। जशपुर जम्बूरी 2025 ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण पर्यटन को नई उड़ान दी है, जहां प्रकृति, संस्कृति और एडवेंचर का प्रभावशाली समागम देखने को मिल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950